उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने ब्राजील के उपराष्ट्रपति से मुलाकात की

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

सैन्य प्रमुखों के सम्मेलन में राष्ट्रपति से सैनिकों की मुलाकात

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 289 | रायपुर | शुक्रवार 17 अक्टूबर 2025 | विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G/RYP DN/71/2023-25

ट्रेन में कंबल के साथ मिलेगा प्रिंटेड कवर, जयपुर से पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत, देशभर में लागू करने की योजना

एजेंसी जयपुरः यात्रियों के सफर को आरामदायक और स्वच्छ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को जयपुर दौरे के दौरान रेलवे में एक नई सुविधा की शुरुआत की है। उन्होंने जयपुर-अहमदाबाद ट्रेन में यात्रियों को प्रिंटेड लिनेन कंबल कवर देने की व्यवस्था का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम का आयोजन जयपुर के खातीपुरा रेलवे स्टेशन पर किया गया। यह पहल उन पुरानी चिंताओं को दूर करने के उद्देश्य से की गई है जो ट्रेन में दिए जाने वाले कंबलों की स्वच्छता को लेकर यात्रियों के मन में अक्सर बनी रहती थीं।

कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए रेल मंत्री वैष्णव ने इस पहल को यात्रियों के जीवन में एक ÷बड़ा बदलाव लाने का प्रयास÷ बताया। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि रेलवे के सिस्टम में कंबल देने की व्यवस्था तो हमेशा से रही है, ÷लेकिन कंबल को लेकर एक संशय रहता था, जिसे खत्म करने के लिए कंबल के कवर की व्यवस्था शुरू की गई है।÷

उत्तर बस्तर और अबूझमाड़ हुए नक्सलमुक्त

बस्तर में शांति और विकास का नया युग

हिंसा की राह देती है अंतहीन दर्द, आत्मसमर्पण देता है जीवन को नई दिशा- मुख्यमंत्री श्री साय

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में नक्सल उन्मूलन अभियान ऐतिहासिक सफलता की ओर*

रायपुर लोकशक्ति

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि उत्तर बस्तर और अबूझमाड़ का नक्सलमुक्त होना यह प्रमाण है कि अब बस्तर भय नहीं, बल्कि विश्वास और विकास की नई पहचान बन चुका है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में भारत आज नक्सलवाद के अंत की दहलीज़ पर खड़ा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बीते दो दिनों में 258 नक्सलियों का आत्मसमर्पण इस बात का प्रतीक है कि बंदूक नहीं, बल्कि विश्वास की शक्ति जीत रही है। उन्होंने कहा कि बीते 22 महीनों में छत्तीसगढ़ में 477 नक्सली मारे गए, 2110 ने आत्मसमर्पण किया और 1785 गिरफ्तार हुए – यह आँकड़े हमारे राज्य को नक्सलमुक्त बनाने के अडिग संकल्प के साक्षी हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने हमारे वीर सुरक्षाबलों के अदम्य साहस और बलिदान को नमन करते हुए कहा कि उनके समर्पण से ही आज बस्तर भयमुक्त हुआ है और शांति की राह पर अग्रसर है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अबूझमाड़ और उत्तर बस्तर नक्सल आतंक से पूर्णतः मुक्त हो चुके हैं, जबकि दक्षिण बस्तर में यह लड़ाई अपने निर्णायक चरण में है। नियद नेल्ला नार जैसी योजनाओं ने बस्तर में संवाद, विकास और संवेदना की नई धरती तैयार की है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार की नीति दो टूक है — हिंसा का कोई स्थान नहीं। जो नक्सली शांति और विकास का मार्ग चुनना चाहते हैं, उनका स्वागत है। लेकिन जो बंदूक उठाकर समाज में आतंक फैलाने की कोशिश करेंगे, उन्हें सुरक्षा बलों की सख़्त कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि यह परिवर्तन इस बात का प्रमाण है कि बंदूक नहीं, बल्कि संविधान पर विश्वास की शक्ति जीत रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के निरंतर प्रयासों से नक्सलवाद अब अपने अंतिम चरण में है। केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने आत्मसमर्पण करने वाले सभी नक्सलियों की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम उनके बेहतर भविष्य और देश की एकता के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने सभी नक्सलियों से अपील की कि वे हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटें और देश की प्रगति में सहभागी बनें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 31 मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ को पूरी तरह नक्सलमुक्त बनाने का लक्ष्य अब बहुत निकट है। यह परिवर्तन राज्य सरकार की ÷नक्सलवादी आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति 2025÷ तथा ÷नियद नेल्ला नार योजना÷ की सफलता का प्रत्यक्ष परिणाम है। डबल इंजन सरकार की संवेदनशील नीतियों, बस्तर में लगातार स्थापित हो रहे सुरक्षा शिविरों और वनांचलों में शासन के प्रति बढ़ते विश्वास ने इस सकारात्मक परिवर्तन को संभव बनाया है। उन्होंने कहा कि अब तक नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में 64 नए सुरक्षा कैंप स्थापित किए जा चुके हैं, जिससे न केवल सुरक्षा सुदृढ़ हुई है, बल्कि विकास और विश्वास की किरण भी हर गांव तक पहुँची है। मुख्यमंत्री ने सभी नक्सलियों से अपील की – ÷हिंसा की राह अंतहीन पीड़ा देती है, जबकि आत्मसमर्पण जीवन को एक नई दिशा देते हुए एक नई शुरुआत का रास्ता खोलता है। अपनी मातृभूमि के भविष्य और अपने परिवारों के उज्जवल कल के लिए हथियार त्यागें और विकास की रोशनी में कदम रखें। उल्लेखनीय है कि देश में नक्सलवाद के खिलाफ चल रही निर्णायक लड़ाई ने एक ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया है। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट कर जानकारी कि छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ और उत्तर बस्तर जैसे क्षेत्र, जो कभी नक्सल आतंक के गढ़ हुआ करते थे, अब पूरी तरह नक्सलमुक्त घोषित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह न केवल भारत की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था की बड़ी सफलता है, बल्कि विकास, विश्वास और संवेदना की नई कहानी भी है। बीते दो दिनों में देश में कुल 258 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण किया है।

बिहार चुनाव के लिये भाजपा स्टार प्रचारकों की सूची जारी

एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 40 स्टार प्रचारकों की अपनी सूची जारी की है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह व अमित शाह समेत कई शीर्ष नेता शामिल हैं। इस सूची में कई प्रमुख नेता, मुख्यमंत्री और मशहूर हस्तियां शामिल हैं। इसमें भाजपा के 5 मुख्यमंत्री- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस शामिल हैं।

इस सूची में कुछ समय के लिए राजनीतिक सुर्खियों से दूर रहे लोगों को भी शामिल किया गया है, और जिन लोगों को चुनाव लड़ने के लिए टिकट नहीं मिला है, उनमें पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री स्मृति ईरानी सबसे बड़ा नाम हैं, जिनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद, राधा मोहन सिंह, साध्वी निरंजन ज्योति और अश्विनी कुमार चौबे भी शामिल हैं। उनके अलावा, बिहार के दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, पूर्व डिप्टी सीएम रेनू देवी और कई अन्य राज्य मंत्री भी शामिल हैं।

सूची में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और केंद्रीय जल मंत्री सीआर पाटिल, डॉ. दिलीप कुमार जयसवाल, प्रेम कुमार, नित्यानंद राय, सतीश चंद्र दुबे, राज भूषण चौधरी, अश्विनी कुमार चौबे, राजीव प्रताप रूडी, डॉ. संजय जयसवाल, विनोद तावड़े, बाबूलाल मरांडी, प्रदीप कुमार सिंह, गोपालजी ठाकुर और जनक राम भी शामिल हैं। इसमें भोजपुरी सिनेमा के कुछ बड़े नाम, अभिनेता-गायक से राजनेता बने पवन सिंह, मनोज तिवारी, रवि किशन, दिनेश लाल यादव ÷निरहुआ÷ भी शामिल हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए नामांकन की आखिरी तारीख 17 अक्टूबर है, जबकि मतदान 6 नवंबर को होगा। इससे पहले बुधवार को भारतीय जनता पार्टी ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की, जिसमें 18 नाम शामिल थे।

रूसी तेल पर अमेरिकी राष्ट्रपति के दावे को भारत ने किया खारिज

एजेंसी

भारत ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे को खारिज कर दिया है. ट्रंप ने दावा किया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे फोन पर बातचीत करते हुए रूस से तेल की खरीद बंद करने का आश्वासन दिया. विदेश मंत्रालय (MEA) ने स्पष्ट किया कि कल दोनों नेताओं के बीच कोई टेलीफोन कॉल नहीं हुई. ट्रंप ने बुधवार को कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें आश्वस्त किया कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा. उन्होंने इसे रूस को अलग-थलग करने की अपनी कोशिश में बड़ा कदम

बताया. ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्होंने मोदी को चेताया कि भारत की लगातार रूस से तेल खरीद पुतिन के युद्ध को वित्तीय मदद देती है. **भारत ने नकारा ट्रंप का दावा** ट्रंप के इस दावे पर आज भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत की ऊर्जा नीतियां उपभोक्ताओं के हित में हैं. स्थिर ऊर्जा मूल्य सुनिश्चित करना और सप्लाई सुरक्षित रखना भारत की प्राथमिकता है।

गुजरात में भूपेंद्र पटेल को छोड़ सभी 16 मंत्रियों का इस्तीफा, नया मंत्रिमंडल लेगा शपथ

गांधीनगर : एजेंसी

गुजरात की राजनीति से गुरुवार शाम को एक बड़ी खबर सामने आई, जब मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को छोड़कर राज्य मंत्रिमंडल के सभी 16 मंत्रियों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया. यह राज्य में एक बड़े कैबिनेट फेरबदल का संकेत है. नए मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह शुक्रवार, 17 अक्टूबर, 2025 को सुबह 11:30 बजे गांधीनगर के महात्मा मंदिर में होगा. इस महत्वपूर्ण अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की उपस्थिति की उम्मीद है, जो इस फेरबदल के महत्व को दर्शाती है. सभी भाजपा विधायकों को भी गुरुवार तक गांधीनगर पहुंचने के लिए कहा गया है. मुख्यमंत्री पटेल आज देर रात राज्यपाल आचार्य देवव्रत से मिलकर औपचारिक रूप से

सभी मंत्रियों के इस्तीफे सौंप सकते हैं. यह कदम ऐसे समय में आया है जब भाजपा गुजरात में अपनी संगठनात्मक और शासन की रणनीति को नई दिशा देने की तैयारी में है. एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने समाचार एजेंसी पीटीआई को पहले बताया था कि आगामी कैबिनेट विस्तार में गुजरात को लगभग 10 नए मंत्री मिल सकते हैं. यह भी कहा गया था कि मौजूदा मंत्रियों में से लगभग आधे को बदला जा सकता है.

मंत्रिमंडल में बदलाव की अटकलों के बीच, कुछ मंत्रियों के अपने मंत्रालय बरकरार रखने की संभावना है. धर्मेन्द्रसिंह, ऋ षिकेश पटेल, मुकेश पटेल, और भूपेंद्रसिंह चूड़ासमा जैसे नेताओं के फिर से मंत्रिमंडल में शामिल होने की खबर है. हालांकि, कुछ प्रमुख मंत्रियों की छुट्टी हो सकती है या उनके विभागों में बदलाव किया जा सकता है. सूत्रों के अनुसार, कनुभाई देसाई (वित्त), राघवजी पटेल (कृषि), कुंवरजी बावलिया (जल आपूर्ति), और मुरुभाई बेरा (पर्यटन) जैसे नेताओं को बदला जा सकता है. राज्य में कुल 182 सदस्यीय विधानसभा है और नियमानुसार, इसमें सदन की कुल संख्या के 15 प्रतिशत यानी अधिकतम 27 मंत्री हो सकते हैं।

मुंबई में बांग्लादेशी 'गुरु मां' गिरफ्तार, फर्जी दस्तावेजों पर 30 सालों से भारत में रह रही थी

मुंबई एजेंसी। मुंबई पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में बांग्लादेशी ट्रांसजेंडर 'गुरु मां' के नाम से मशहूर ज्योति को गिरफ्तार किया है, जो पिछले 30 सालों से फर्जी दस्तावेजों के सहारे भारत में रह रही थी। मार्च 2025 में शिवाजी नगर पुलिस ने रफीक नगर से कुछ बांग्लादेशी ट्रांसजेंडरों को गिरफ्तार किया था। इस दौरान ज्योति को भी हिरासत में लिया गया था, लेकिन उस समय उसके पास आधार कार्ड, पैन कार्ड सहित सभी भारतीय दस्तावेज मौजूद थे, इसलिए उसे छोड़ दिया गया था। इसके बाद पुलिस ने ज्योति की ओर से तैयार किए गए भारतीय जन्म प्रमाण पत्र और अन्य दस्तावेजों की जांच कराई, जिसमें वे सभी दस्तावेज फर्जी निकले।

ब्राज़ील के उपराष्ट्रपति ने अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान का दौरा किया

पीआईबी – भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अंतर्गत नई दिल्ली में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) को आज ब्राज़ील संघीय गणराज्य के उपराष्ट्रपति और विकास, उद्योग, व्यापार और सेवा मंत्री, महामहिम श्री गेराल्डो अल्कमिन का आतिथ्य सत्कार करने का विशिष्ट सम्मान प्राप्त हुआ। श्री गेराल्डो अल्कमिन भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस अवसर पर महामहिम श्री गेराल्डो अल्कमिन ने पारंपरिक और एकीकृत स्वास्थ्य प्रणालियों को बढ़ावा देने में भारत के नेतृत्व की अत्यधिक सराहना की। उन्होंने कहा, ÷आयुर्वेद स्वास्थ्य और ज्ञान का 5,000 वर्ष पुराना खजाना है। मैं स्वास्थ्य को बढ़ावा देने, रोगों के

उपचार और समग्र दृष्टिकोण के माध्यम से शिक्षा और अनुसंधान को आगे बढ़ाने में अद्भुत कार्य के लिए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान को बधाई देता हूँ।÷ उन्होंने यह भी कहा, ÷निवारक और सतत स्वास्थ्य सेवा के लिए दुनिया को आयुर्वेद के शाश्वत ज्ञान की आवश्यकता है।÷ श्री गेराल्डो अल्कमिन ने आयुर्वेद की वैश्विक प्रासंगिकता को स्वीकार करते हुए कहा कि, ÷जीवन प्रत्याशा बढ़ रही है, और आयुर्वेद जैसी प्राकृतिक और निवारक स्वास्थ्य प्रणालियों की मांग भी बढ़ रही है। अगर यह छोटी यात्रा न होती, तो मैं निश्चित रूप से अपनी पीठ दर्द का इलाज यहीं अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में करवाता।÷

बिहार के जंगलराज व परिवारवाद से हर कोई वाकिफः

बिहार में गरजे योगी, कहा- राजद और कांग्रेस ने शुरू की 'बुरके' की शरारत

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार से बिहार विधानसभा के चुनावी रण में उतरे। वे दानापुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी रामकृपाल यादव की नामांकन रैली में शामिल हुए। सीएम ने फुलवारी शरीफ से एनडीए प्रत्याशी श्याम रजक को भी जिताने की अपील की। सीएम योगी यहां विपक्षी दल राजद व कांग्रेस पर खूब बरसे। उन्होंने कहा कि बिहार में विकास की दौड़ को बाधित करने के लिए राजद, कांग्रेस व इंडी गठबंधन के सहयोगी दलों ने 'विकास बनाम बुरके' की शरारत शुरू की है। जब बिहार विकास की चर्चा कर रहा है तो कांग्रेस, राजद ने बुरके की नई बहस को

बढ़ाने का प्रयास किया है।

सीएम ने कहा कि इन्हें फर्जी पोलिंग का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। राजद व कांग्रेस फर्जी पोलिंग करवाने की चेष्टा कर रहे हैं, लेकिन विदेशी घुसपैठियों को यहां आकर बिहार के नागरिकों, गरीबों व दलितों के अधिकार पर डकैती की छूट नहीं मिलनी चाहिए। यह लोग ईवीएम नहीं, बल्कि पहले के जैसे जबर्दस्ती मतदान और मतपत्रों की छिनैती करना चाहते हैं। राजद व कांग्रेस बिहार को उसी कालखंड में ले जाने का प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 1990 से 2005 तक फैले बिहार के जंगलराज और परिवारवाद को हर कोई जानता है। राजद व कांग्रेस को घेरते हुए सीएम योगी ने कहा कि इन लोगों ने बिहार की आध्यात्मिक ज्ञानभूमि को परिवारवाद और अपराध की भूमि बना दिया था। विकास के नाम पर फैलाई गई अराजकता किसी से छिपी नहीं है। उस समय पेशेवर माफिया, गुंडों को सत्ता का संरक्षण प्रदान कर बिहार के विकास को बाधित कर दिया गया था। जिस बिहार ने कभी भारत का नेतृत्व किया, 2000 वर्ष पहले भारत को स्वर्ण युग दिया।

आंध्र को मोदी सरकार ने दिए 13 हजार करोड़ से ज्यादा के प्रोजेक्ट्स

आत्म निर्भर भारत के लिए नई ताकत बन रहा आंध्र पीएम मोदी

एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को आंध्र प्रदेश के कुरनूल दौरे पर थे। यहां उन्होंने 13 हजार करोड़ से ज्यादा की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। आंध्र प्रदेश की ये योजनाएं उद्योग, बिजली, रेलवे सड़क रक्षा विनिर्माण, पेट्रोलियम पदार्थों से संबंधित हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने श्रीशैलम का आशीर्वाद भी लिया। इस दौरान उनके साथ मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण भी थे।

प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और लोकार्पण करने के साथ ही पीएम मोदी ने एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा, ÷मैं भाग्यशाली हूं कि मेरा जन्म दादा सोमनाथ की धरती गुजरात में हुआ। मुझे बाबा विश्वनाथ की धरती

काशी की सेवा करने का अवसर मिला और आज मुझे श्रीशैलम का आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है।÷

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आंध्र प्रदेश आत्मनिर्भर भारत की सफलता का एक प्रमुख केंद्र बन रहा है। कांग्रेस सरकारों ने आंध्र प्रदेश की क्षमताओं की उपेक्षा करके पूरे देश को नुकसान पहुंचाया है, जो राज्य पूरे देश को आगे बढ़ा सकता था, वह अपने ही विकास के लिए संघर्ष कर रहा है। मुझे खुशी है कि एनडीए सरकार के कार्यकाल में आंध्र प्रदेश की छवि बदली है।

चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश आत्मनिर्भर भारत के लिए एक नई ताकत बन रहा है। आंध्र में विनिर्माण तेजी से बढ़ रहा है। निम्मलुरु में उन्नत नाइट विजन फैक्ट्री का उद्घाटन रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में एक और कदम है। यह फैक्ट्री नाइट विजन उपकरणों, मिसाइल सेंसर और ड्रोन गार्ड सिस्टम के निर्माण की भारत की क्षमता को बढ़ाएगी। यहां निर्मित उपकरण भारत के रक्षा निर्यात को भी बढ़ाएंगे।

कुरनूल में भारत का ड्रोन हब

पीएम मोदी ने कहा है कि हम ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय उत्पादों की शक्ति देख चुके हैं। मुझे खुशी है कि आंध्र प्रदेश सरकार ने कुरनूल को भारत का ड्रोन हब बनाने का संकल्प लिया है। ड्रोन उद्योग कुरनूल और आसपास के क्षेत्रों में भविष्य की तकनीक से जुड़े कई नए क्षेत्रों के विकास को बढ़ावा देगा। मैंने अभी ऑपरेशन सिंदूर में ड्रोन की अद्भुत क्षमता का जिक्र किया, जिसने दुनिया को चकित कर दिया। भविष्य में, कुरनूल ड्रोन क्षेत्र में एक राष्ट्रीय शक्ति बनने की ओर अग्रसर है

'हमें भरोसा है, भारत जारी रखेगा तेल खरीद', ट्रंप के दावों को रूस ने किया खारिज

एजेंसी

रूस के उप प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने गुरुवार (16 अक्टूबर, 2025) को कहा कि रूस को विश्वास है कि भारत के साथ उसका ऊर्जा सहयोग जारी रहेगा. नोवाक का यह

बयान ऐसे समय में आया है जब एक दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि भारत ने उन्हें रूस से तेल खरीदना बंद करने का आश्वासन दिया है. एजेंसी 'इंटरफैक्स' ने नोवाक के हवाले से कहा, 'हम अपने मित्रवत साझेदारों के साथ सहयोग जारी रखेंगे. हमारे ऊर्जा संसाधनों की मांग बनी हुई है. यह आर्थिक रूप से व्यवहार्य और व्यावहारिक है.' नोवाक ने कहा, 'मुझे विश्वास है कि हमारे साझेदार हमारे साथ काम करना, बातचीत करना और ऊर्जा सहयोग विकसित करना जारी रखेंगे.' नोवाक ने यह टिप्पणी ट्रंप के इस दावे के जवाब में की है, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत, रूसी कच्चा तेल खरीदना बंद कर देगा. अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि यद्यपि भारत खरीद में तत्काल कटौती नहीं कर सकेगा, लेकिन ऐसा करना जरूर शुरू कर देगा. नोवाक ने कहा, 'आज हमें मीडिया में केवल यही सुनने को मिल रहा है कि हमारे साझेदार यह घोषणा कर रहे हैं कि कोई भी उन पर हुक्म नहीं चला सकता और वे अपना रास्ता स्वयं चुनेंगे.'

शासन की फ्लैगशिप योजनाओं का क्रियान्वयन शत-प्रतिशत किया जाए

कलेक्टर कॉन्फ्रेंस के निर्देशों के क्रियान्वयन पर हुई चर्चा।

केशव सल्होत्रा

जगदलपुर, लोकशक्ति।। बस्तर कलेक्टर हरिस एस ने कहा कि आगामी धान खरीदी कार्य को पारदर्शिता और सतर्कता के साथ संपादन किया जाए। उन्होंने धान खरीदी केन्द्र की प्राथमिक तैयारी के संबंध में चर्चा करते हुए 12 संवेदनशील धान खरीदी केन्द्रों के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त करने तथा सीमावर्ती जांच नाकों पर अधिकारियों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने सभी एसडीएम और तहसीलदार को अपने अनुभाग क्षेत्र में लगातार छापामार कार्यवाही करने के लिए निर्देशित भी किया। कलेक्टर हरिस ने मंगलवार की शाम जिला कार्यालय के प्रेरणा सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक लेकर अधिकारियों को उक्त निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस के एजेंडा पर जिला स्तर पर महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु चर्चा करते हुए कहा कि शासन की फ्लैगशिप योजनाओं का क्रियान्वयन शत-प्रतिशत किया जाना है। उन्होंने जिले में गिरदावरी कार्य के तहत डीसीएस रिपोर्ट एवं गिरदावरी रिपोर्ट में पाए गए अंतर का समितिवार जांच कर सुधार करवाने के निर्देश दिए। धान संग्रहण केंद्र से पिछले वर्ष की धान का उठाव नहीं हुआ उसके संबंध में भी चर्चा किए। समिति स्तर से भी एग्रीस्टैक में पंजीयन बढ़ाएं। पंचायतों में एग्रीस्टैक पंजीयन की सूचना के तहत चस्पा कर किसानों को जानकारी दी जाए, बिना एग्रीस्टैक पंजीयन के धान की विक्रय नहीं किया जा सकेगा इसलिए इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करें। पीएम किसान सम्मान निधि में एक माह के अंदर लक्षित किसानों को चिन्हाकित करना है और हितग्राहियों के आवश्यक दस्तावेजों की जांच करना एवं एफआरए हितग्राहियों की भी सूची तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नामांतरण के कार्य में लापरवाही होने पर संबंधितों के खिलाफ कार्यवाही की जाए। कलेक्टर ने पीएम सूर्यघर विद्युत योजना के क्रियान्वयन के संबंध चर्चा किया गया, जिले में लगभग 58 हितग्राहियों के घरों पर सूर्यघर सोलर प्लांट स्टॉलेशन किया गया है और लगभग 1007 आवेदन प्राप्त हुए हैं। कलेक्टर ने शहर व ग्रामीण क्षेत्र में जनप्रतिनिधियों को भी प्रोत्साहित करते हुए आम नागरिकों को सूर्यघर योजना के लिए जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने बैंक से भी लोन दिलवाने की पहल करवाने कहा, साथ ही सभी ब्लॉक में 500-500 का लक्ष्य लेकर काम करवाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किए ।

कलेक्टर ने बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण और शहरी) के क्रियान्वयन में मॉडल के रूप में प्लान करके निर्माणाधीन आवासों को नवम्बर माह तक निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने कहा। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के 15 इंडिकेटर पर चर्चा किए। उन्होंने कहा कि पोषण पुनर्वास के बाद बच्चों का फलोअप स्वास्थ्य जांच जरूर करवाएं। साथ ही टेली कंसेल्टेशन, आरोग्य मंदिर की स्वास्थ्य जांच के लक्ष्य का बढ़ाने के निर्देश दिए। जिले में संचालित नर्सिंग होम एवं क्लीनिकों की स्थिति की समीक्षा करते हुए नर्सिंग होम नियमों के पालन करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड, वय वंदना कार्ड के लिए आधार कार्ड बेस पर बनवाने की कार्यवाही करें। इसके अलावा किसी गांव में मलेरिया का केस मिलने पर पूरा गांव को लक्ष्य कर आवश्यक स्वास्थ्यगत कार्यवाही करें।

कलेक्टर ने शिक्षा विभाग के ऑकेशनल शिक्षा के ट्रेड के तहत स्कूली स्तर पर संचालित कार्यों की सभी एसडीएम को जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएम ई-चैनल की कार्यवाही पर कार्ययोजना बनाकर देने कहा। इसके अलावा शाला त्यागी की स्थिति की समीक्षा शाला विकास समिति की बैठक के दौरान प्रत्येक माह जरूर करें। साथ ही सरस्वती सायकल योजनांतर्गत सायकल वितरण स्थिति की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। अपार आईडी बनाने की प्रगति पर भी चर्चा किए और एक-एक ब्लॉक के अनुसार कार्यवाही करने कहा।

उप मुख्यमंत्री साव ने सहयोग केंद्र में कार्यकर्ताओं के आवेदनों पर त्वरित पहल के दिए निर्देश

15 अक्टूबर को स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल सहयोग केंद्र पहुँचेंगे

रायपुर,। भारतीय जनता पार्टी के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने मंगलवार को कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी समस्याएँ सुनीं एवं उनके समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मंगलवार को सहयोग केंद्र में 300 से अधिक कार्यकर्ता व आमजन पहुंचे एवं उप मुख्यमंत्री अरुण साव से मुलाकात कर आवेदन दिए। बाद में उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि कार्यकर्ताओं की ओर से प्राप्त आवेदनों पर सार्थक पहल करके सभी समस्याओं का तेजी से निराकरण किया जाएगा। प्रदेश की भाजपा सरकार सबके विकास के लिए कार्य कर रही है। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, सहयोग केंद्र प्रभारी सच्चिदानंद उपासने, सुनील पिल्लई सहित पदाधिकारीगण व कार्यकर्तागण उपस्थित रहे। कल बुधवार 15 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे से प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल सहयोग केंद्र में उपस्थित रहकर कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर प्राप्त आवेदनों पर कार्रवाई कर उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण करेंगे।

भोलापुर में शराबबंदी लागू – नियम तोड़ने वालों पर भारी जुर्माना तय

ग्राम विकास समिति का सर्वसम्मति से निर्णय, शराब बेचने वालों पर 35,000 और खरीदने वालों पर 25,000 अर्थदंड

राजनांदगांव।

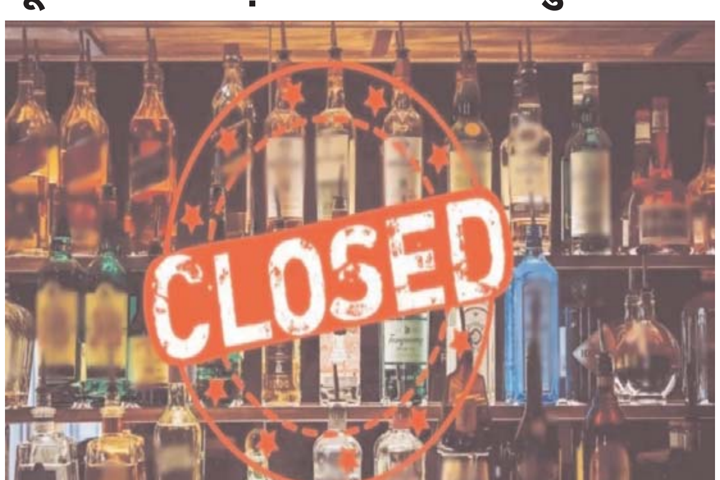

खुज्जी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम भोलापुर (छुरिया) में ग्राम विकास समिति एवं समस्त ग्रामवासियों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें गांव में अवैध शराब की खरीद-बिक्री और सेवन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार —शराब बेचने वाले व्यक्ति पर ?35,000 का अर्थदंड लगाया जाएगा।

शराब खरीदने वाले (गांव के या बाहर के) पर ?25,000 का जुर्माना लगाया जाएगा।

जो व्यक्ति शराब पीकर गाली-गलौज या झगड़ा करता पाया जाएगा, उस पर ?11,000 का जुर्माना लगाया जाएगा।

सार्वजनिक स्थानों या गांव के भीतर शराब पीते पाए जाने पर भी ?11,000 का अर्थदंड तय किया गया है।

वहीं, शराब बेचने या पीने की जानकारी देने वाले व्यक्ति को ?5,000 का पुरस्कार दिया जाएगा।

इसी के साथ, ग्राम विकास समिति ने ऑनलाइन गेम्स जैसे फ्री फायर, पबजी आदि पर भी रोक लगाने का निर्णय लिया है। ऐसे गेम खेलते पकड़े जाने पर ?10,000 का अर्थदंड और जानकारी देने वाले को ?5,000 का पुरस्कार देने का प्रावधान रखा गया है।

ग्रामवासियों ने बताया कि आस-पास के गांवों में हो रही शराबबंदी से प्रेरणा लेकर यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि यह कदम समाज के उत्थान के लिए लिया गया है ताकि आने वाली पीढ़ी को नशे और बुरी आदतों से दूर रखा जा सके। गांव के लोगों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि अब भोलापुर नशा मुक्त गांव की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा।

अपर कलेक्टर ने साप्ताहिक समय सीमा की ली बैठक

जशपुर,

अपर कलेक्टर प्रदीप कुमार साहू ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक ली उन्होंने मुख्यमंत्री जनदर्शन , मुख्यमंत्री की घोषणा और कलेक्टर जनदर्शन के आवेदनों का गंभीरता से निराकरण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के घोषणा के तहत स्वीकृति कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करें इसके साथ ही गुणवत्ता का भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ हितग्राहियों को देने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि बिजली बिल के बोझ से मुक्ति एवं पर्यावरण संरक्षण संवर्धन के लिए इस योजना का लाभ अधिक से अधिक उठाएं योजना के तहत उपभोक्ताओं को आकर्षक सब्सिडी का प्रावधान किया गया है।

अपर कलेक्टर ने पीएम जनमन योजनांतर्गत कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी योजनाओं का लाभ सभी हितग्राहियों तक पहुंचाना सुनिश्चित करने को कहा।

उन्होंने अधिकारियों को सभी विभागीय कार्यों को केवल ई-आफिस में माध्यम से निष्पादित करने हेतु निर्देश दिए। इसके साथ ही सभी विभागों का जीएसटी रिटर्न फाइल करने एवं सभी कर्मचारियों का ई-केवायसी पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर सभी एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर एवं विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

विश्व निश्चेतना दिवस पर होंगे विविध आयोजन

25 से 30 नवंबर के मध्य सेमीनार का होगा आयोजन, 35 सौ निश्चेतना चिकित्सक होंगे शामिल

रायपुर, ।

विश्व निश्चेतना दिवस के अवसर पर 16 अक्टूबर को शहर के शहीद स्मारक स्कूल फूंडहर स्कूल एवं रेयान इंटरनेशनल स्कूल में सीपीआर प्रशिक्षण का निःशुल्क आयोजन किया जाएगा। समय के साथ साथ निश्चेतना के क्षेत्र में भी काफी उन्नति हुई है। 25 से 30 नवंबर के मध्य होटल बेबीलोन इंटरनेशनल में आइसाकोन 2025 का आयोजन छग एनेस्थियोंलाजिस्ट एसोसिएशन छग द्वारा किया जा रहा है। उक्त वर्कशॉप में प्रदेश एवं देश से 35 सौ निश्चेतना विशेषज्ञ शामिल होंगे। उक्त कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर विषय विशेषज्ञ 9 कक्षों में एनेस्थियां विधा से संबंधित जानकारी होटल के कक्ष में एवं कुछ निजी चिकित्सा संस्थानों में देंगे। उक्त जानकारी प्रेस क्लब रायपुर में आयोजित पत्रकार वार्ता में कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डॉ. अशोक त्रिपाठी, डॉ. महेश सिन्हा, डॉ. सुधीर टिचकुले एवं डॉ. प्रदीप शर्मा ने संयुक्त रूप से दी। डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि शल्य क्रिया के समय मरीज को दर्द ना हो इसलिए प्राचीन काल से भारत चीन एवं मिश्र मैं जड़ी बूटियों का प्रयोग किया जाता रहा है। सुश्रुत संहिता में अफीम एवं धतूरा के उपयोग का उल्लेख है।

आधुनिक समय में सन 1792 में में जोसेफ प्रीस्टले नाइट्रस ऑक्साइड की खोज की इसे लाफिंग गैस का नाम दिया गया । निश् चेतनाविज्ञान में सर्वप्रथम होरेस वेल्स दंत विज्ञान में दांत निकालने के दौरान निश्चेतना हेतु प्रयोग किया।

16 अक्टूबर 1846 बोस्टन के मैसेज शूट्स जनरल हॉस्पिटल में WTI MORTON ने इथर का प्रयोग पूर्ण निश्चेतना के लिए किया था। इसी स्वर्णिम दिन की याद में 16 अक्टूबर विश्व निश्चेतना दिवस के रूप में मनाया जाता है। WORLD ANAESTHE-SIA DAY के अवसर पर जनता के बीच जागरुकता अभियान चलाया जाता है। CAR-DIO PULMONARY RESUSCITATION, (CPR) की प्रक्रिया में निश्चेतना विज्ञानी का विशेष योगदान होता है। हम सभी निश्चेतना विज्ञानी इस दिन सीपीआर की ट्रेनिंग सामाजिक स्तर पर व्यक्ति समूह के बीच करते हैं इस वर्ष भी विभिन्न वि?द्यालयों में इस प्रकार की कार्यशालाएं आयोजित की जा रही है

राष्ट्रीय पोषण माह में हुए अनेक समेकित कार्यक्रम

0-संतुलित आहार से ही कुपोषण मुक्त भारत का निर्माण संभव

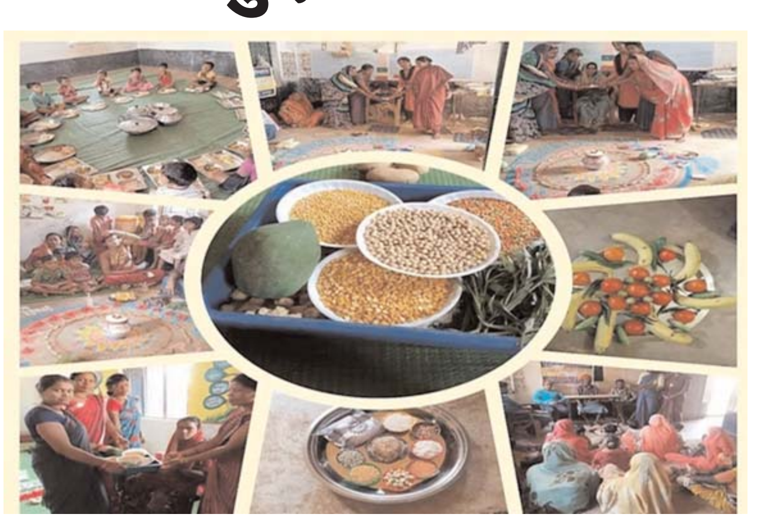

रायपुर, बिलासपुर द्वारा राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर एक दिवसीय समेकित लोक संपर्क कार्यक्रम का आयोजन कोटा विकासखंड के आदिवासी बहुल ग्राम जंजीराडीह में किया गया। कार्यक्रम में ग्राम सरपंच रमेश गोआड़ा, पंच मीना गोआड़ा, वरिष्ठ शिक्षिका नीलोफर तबस्सुम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बसंती गोआड़ा, गर्भवती एवं शिशुवती माताएँ, किशोरी बालिकाएँ तथा बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम सरपंच रमेश गोआड़ा ने की।

कार्यक्रम में वरिष्ठ शिक्षिका नीलोफर तबस्सुम ने पोषण माह के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारा भोजन पोषणयुक्त और संतुलित होना चाहिए, तभी स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। इस अवसर पर कार्यालय प्रभारी कमल गिरी ने बताया कि राष्ट्रीय पोषण माह अंतर्गत 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान भारत सरकार की एक राष्ट्रव्यापी स्वास्थ्य पहल है, जिसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण में सुधार लाना है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत देशभर में प्रचार-प्रसार, स्वास्थ्य शिविरों, टीकाकरण और पोषण आहार से संबंधित जागरूकता गतिविधियाँ निरंतर आयोजित की जा रही हैं।

कमल गिरी ने संतुलित भोजन को कुपोषण मुक्त भारत के निर्माण की कुंजी बताते हुए कहा कि स्वस्थ नारी ही सशक्त परिवार और सशक्त राष्ट्र की आधारशिला है। ग्राम सरपंच रमेश गोआड़ा ने उपस्थित ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे कार्यक्रम में दी गई जानकारियों को अपने दैनिक जीवन में अपनाकर स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज के निर्माण में सहयोग करें।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बसंती गोआड़ा ने पौष्टिक आहार विषय पर विस्तार से जानकारी दी और ग्रामीणों को आंगनबाड़ी केंद्र में उपलब्ध सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। आंगनबाड़ी केंद्र की ओर से पोषण आहार प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें विभिन्न पौष्टिक खाद्य पदार्थों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान प्रश्न मंच प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पुरस्कार प्राप्त किए। साथ ही, स्वच्छता पर्व के तहत स्वच्छता शपथ दिलाई गई और 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के अंतर्गत पौध वितरण भी किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने संदेश दिया कि पोषणयुक्त भोजन, स्वच्छता और जनजागरूकता ही स्वस्थ भारत की नींव है। कार्यक्रम का संचालन सधे हुए तरीके से संपन्न हुआ और ग्रामीणों ने इसे अत्यंत उपयोगी बताया।

आयुर्वेद से ही संभव है बच्चों का सर्वांगीण विकास – डॉ. मेघा गुप्ता

सरस्वती शिशु मंदिर में स्वर्ण प्राशन संस्कार सम्पन्न

मनेन्द्रगढ़। सरस्वती शिशु मंदिर में बुधवार को पुष्य नक्षत्र के शुभ अवसर पर बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन हेतु स्वर्ण प्राशन संस्कार का आयोजन किया गया। डा. पूर्णिमा सिंह के मार्गदर्शन में आयुर्वेद चिकित्सक डा. मेघा गुप्ता ने बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि समाजसेवी सुन्दर लाल दुग्गड़, अध्यक्षता विद्यालय समिति के उपाध्यक्ष समाजसेवी महेन्द्र जैन, तथा विशिष्ट अतिथि डा. मेघा गुप्ता, रामचरित द्विवेदी और प्रेम कुमार यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। विद्यालय प्राचार्य विनोद शुक्ला ने अतिथियों का स्वागत करते हुए स्वर्ण प्राशन संस्कार की परंपरा और बच्चों के स्वास्थ्य पर इसके लाभों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि सुन्दर लाल दुग्गड़ ने कहा, भारतीय संस्कृति में आयुर्वेद केवल उपचार नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक स्वस्थ पद्धति है। बच्चों में प्रारंभ से ही ऐसे संस्कार डालना उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव है। कार्यक्रम अध्यक्ष महेन्द्र जैन ने कहा, स्वर्ण प्राशन जैसी प्राचीन विधियाँ हमें हमारी परंपराओं से जोड़ती हैं। इससे बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और मानसिक विकास होता है। डा. मेघा गुप्ता ने कहा, आयुर्वेद की यह उपयोगी प्रक्रिया – स्वर्ण प्राशन – बच्चों की स्मरणशक्ति, बुद्धि, और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है। स्वर्ण भस्म, घृत, मधु और औषधियों के संयोग से तैयार यह द्रव्य शरीर को दीर्घकालिक रूप से स्वस्थ बनाता है। रामचरित द्विवेदी ने कहा, आयुर्वेद हमारी अमूल्य धरोहर है, जिसे आधुनिक जीवनशैली में अपनाकर हम स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकते हैं। श्रीमती नीतू सिंह ने संचालन करते हुए कहा कि विद्यालयों में ऐसे आयोजन नियमित रूप से होते रहें, ताकि बच्चों में भारतीय परंपरा और स्वास्थ्य विज्ञान की समझ विकसित हो। अंत में प्राचार्य विनोद शुक्ला ने विद्यालय परिवार की ओर से सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके सरस्वती शिशु मंदिर के आचार्य दिवाकर मिश्रा, सत्य प्रकाश, श्री वैष्णव, ओमप्रकाश सोनी, दीपक पांडेय, आचार्या श्रीमती रत्नमणि, आचार्या श्रीमती मंजुला सोनी, आचार्या श्रीमती मोनिका श्रीवास्तव, आचार्या शशिकला, आचार्या श्रीमती नीतू सिंह, आचार्या श्रीमती रमा सोनी, नागेन्द्र आचार्य, देवधारी आचार्य मौजूद रहे.

उप मुख्यमंत्री ने बस्तर ओलंपिक की तैयारियों की समीक्षा की

0-बस्तर ओलंपिक के व्यापक और सुव्यवस्थित आयोजन के लिए विकासखंड स्तरीय आयोजनों पर दें विशेष ध्यान - अरुण साव

0-अब तक 2.72 लाख खिलाड़ियों का पंजीयन, 20 अक्टूबर तक करा सकते हैं पंजीयन

रायपुर, बस्तर ओलंपिक-2025 की तैयारियाँ अब अंतिम चरण में हैं। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने आज वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों तथा बस्तर संभाग के सभी जिला खेल अधिकारियों की बैठक लेकर इसकी तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में आयोजित बैठक में बस्तर ओलंपिक के व्यापक और सुव्यवस्थित आयोजन के लिए विकासखंड स्तरीय आयोजनों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने खेल मैदानों की उपलब्धता, उनकी मैपिंग, भोजन, यातायात, आवास, प्राथमिक चिकित्सा, निर्णायकों एवं रेफरियों की व्यवस्था के लिए अग्रिम तैयारी सुनिश्चित करने को कहा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव श्री यशवंत कुमार और संचालक श्रीमती तनूजा सलाम भी समीक्षा बैठक में उपस्थित थीं। बस्तर संभाग के सभी जिला खेल अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने बैठक में बस्तर ओलंपिक की पंजीयन प्रक्रिया एवं व्यापक प्रचार-प्रसार की समीक्षा की। उन्होंने ग्राम स्तर से लेकर जिला स्तर तक प्रचार-प्रसार की योजनाओं–जैसे दीवार लेखन, मशाल यात्रा, पोस्टर, बैनर, पैंपलेट वितरण, हाट-बाज़ारों में प्रचार इत्यादि की जानकारी ली। उन्होंने इसे और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बस्तर ओलंपिक के लिए अब तक 2 लाख 72 हजार से अधिक प्रतिभागियों का पंजीयन हो चुका है। 20 अक्टूबर तक पंजीयन कराया जा सकता है। इस पर श्री साव ने प्रत्येक विकासखण्ड में पंजीयन की स्थिति की समीक्षा कर जिन क्षेत्रों में पंजीयन कम हैं, वहां विशेष अभियान चलाकर ज्यादा से ज्यादा पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने महिलाओं की तुलना में पुरुष प्रतिभागियों के कम पंजीयन को देखते हुए जिला खेल अधिकारियों को पुरुषों की भागीदारी बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास करने को कहा।

श्री साव ने बैठक में अधिकारियों से कहा कि बस्तर ओलंपिक अब केवल क्षेत्रीय आयोजन नहीं रह गया है, बल्कि इसकी ख्याति पूरे देश में फैल चुकी है। अतः इसे राष्ट्रीय महत्व का आयोजन मानते हुए विकासखंड से लेकर संभाग स्तर तक उच्च गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ आयोजित किया जाए। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर के निर्णायकों की भागीदारी सुनिश्चित करने तथा राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को प्रेरणा स्रोत के रूप में आमंत्रित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने 25 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 5 नवंबर तक होने वाले विकासखंड स्तरीय आयोजनों के लिए सभी जिलों को समय पूर्व संपूर्ण तैयारी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री ने फु टबॉल, हॉकी, वॉलीबॉल जैसे खेलों में पंजीयन बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास करने तथा खेल विभाग से प्राप्त बजट के अतिरिक्त जिला कलेक्टरों के सहयोग से सीएसआर निधि से वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति करने को कहा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की उप संचालक श्रीमती रश्मि ठाकुर तथा खेल अधिकारी श्री गिरीश शुक्ला भी बैठक में मौजूद थे।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर एकता नगर (गुजरात) में दिखेगा बस्तर का बदलता स्वरूप

एकता परेड-2025 में छत्तीसगढ़ की झांकी का हुआ चयन – मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दी बधाई:

एकता, विकास और सांस्कृतिक गौरव का संदेश देगा छत्तीसगढ़ की झांकी का प्रदर्शन

0 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह देखेंगे छत्तीसगढ़ की झांकी – बस्तर की विकास यात्रा पर केंद्रित थीम

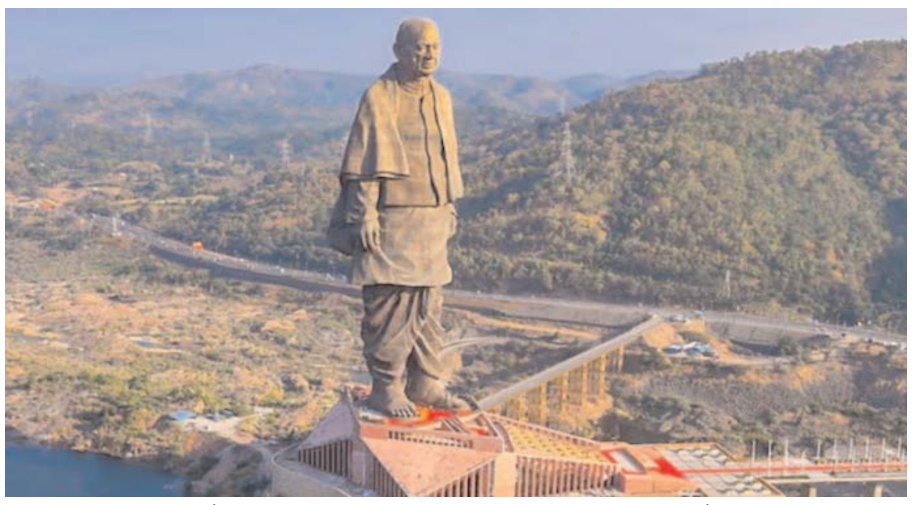

रायपुर,। राष्ट्रीय एकता दिवस (31 अक्टूबर) के अवसर पर गुजरात के एकता नगर (स्टैच्यू ऑफ यूनिटी) में आयोजित होने वाली एकता परेड-2025 में छत्तीसगढ़ राज्य की झांकी का चयन किया गया है। यह जानकारी भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी सूची में दी गई है, जिसमें छत्तीसगढ़ के साथ जम्मू-कश्मीर, गुजरात, महाराष्ट्र, मणिपुर, उत्तराखंड, पुडुचेरी, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, एनडीआरएफ और एनएसजी की झांकियाँ भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के जनसम्पर्क विभाग की पूरी टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह चयन छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधता, लोक परंपरा और एकता के भाव की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान है। एकता परेड में प्रस्तुत होने वाली यह झांकी हमारे राज्य की 'एकता में विविधता' की अद्भुत परंपरा को सजीव रूप में प्रदर्शित करेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की झांकी इस वर्ष बस्तर की बदलती पहचान और विकास यात्रा पर केंद्रित होगी। राज्य शासन के जनसम्पर्क विभाग द्वारा तैयार की जा रही यह झांकी बस्तर की जनजातीय अस्मिता, पारंपरिक लोकनृत्य, वेशभूषा, ढोकरा धातु कला, आदिवासी चित्रकला और आधुनिक विकास के समन्वय को प्रदर्शित करेगी। झांकी का मुख्य संदेश होगा कि बस्तर अब बदलाव की राह पर है – संघर्ष से विकास की ओर, भय से विश्वास की ओर। इसमें दर्शाया जाएगा कि जिस भूमि ने कभी संघर्ष और असमानता के दौर देखे, आज वही क्षेत्र शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग और बुनियादी ढांचे के माध्यम से शांति और समृद्धि की नई पहचान गढ़ रहा है। राज्य सरकार की पुनर्वास एवं विकासोन्मुख नीतियों ने नक्सल प्रभावित इलाकों में स्थायी परिवर्तन की दिशा में नई ऊर्जा का संचार किया है। यह झांकी न केवल बस्तर की सांस्कृतिक आत्मा को प्रदर्शित करेगी, बल्कि छत्तीसगढ़ के समग्र विकास, एकता और लोकगौरव की झलक भी पेश करेगी। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आयोजित इस भव्य परेड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह स्वयं उपस्थित रहेंगे और चयनित राज्यों की झांकियों का अवलोकन करेंगे। इस आयोजन का उद्देश्य भारत की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक विविधता को एक मंच पर लाना है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की झांकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारत, श्रेष्ठ भारत के संकल्प को सशक्त करेगी और देश के सामने राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, विकास यात्रा और सामाजिक एकता का उज्ज्वल उदाहरण प्रस्तुत करेगी।

मुख्यमंत्री के निर्देशों पर त्वरित अमल सुनिश्चित करें : मुख्य सचिव विकास शील

उच्च स्तरीय बैठक में सचिवों से विभागीय कार्यों की समीक्षा

रायपुर,। मुख्य सचिव विकास शील ने कहा कि कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा दिए गए निर्देशों पर त्वरित और प्रभावी अमल सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी विभागीय सचिवों को सड़क, पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य सहित अन्य प्राथमिक क्षेत्रों के लिए ठोस एक्शन प्लान तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव आज मंत्रालय (महानदी भवन) में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में विभिन्न विभागों के भारसाधक सचिवों के साथ योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना में शामिल विभागों के एक्शन प्लान्स की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि जिन कार्यों का शिलान्यास किया जा चुका है, उन्हें निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण कर लोकार्पण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार ने प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना तथा जेम पोर्टल के माध्यम से शासकीय विभागों में की जा रही खरीदी की प्रक्रिया पर प्रस्तुतीकरण दिया। इसी प्रकार, मुख्यमंत्री के संयुक्त सचिव एवं आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. रवि मित्तल ने जनसम्पर्क विभाग द्वारा शासन की योजनाओं के प्रचार-प्रसार से संबंधित गतिविधियों पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। बैठक में अपर मुख्य सचिव गृह एवं जेल मनोज कुमार पिंगुआ, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की अपर मुख्य सचिव ऋचा शर्मा, आदिम जाति तथा अनुसूचित जनजाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव निहारिका बारिक सहित सभी विभागों के सचिव उपस्थित थे।

बिजली कंपनी कर्मचारियों की हड़ताल पर सख्त हुआ प्रशासन, अनुपस्थित कर्मियों की सेवा होगी बाधित

संवाददाता

रायपुर, छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज में बिजली कर्मचारियों की हड़ताल को लेकर प्रबंधन ने कड़ा रुख अपनाया है। कर्मचारियों की मांगों के समर्थन में चल रही हड़ताल में शामिल होने वालों की गैरहाजिरी को 'ब्रेक इन सर्विस' माना जाएगा, जिससे उनका वेतन काटा जाएगा और यह सेवा में अंतराल के रूप में दर्ज होगा। ट्रांसमिशन विंग के मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) ए.एम. परियल द्वारा जारी आधिकारिक परिपत्र में तीनों पावर कंपनियों ङ्क उत्पादन, वितरण और ट्रांसमिशन ङ्क के विभाग प्रमुखों को सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। जारी निर्देशों के मुताबिक, जो कर्मचारी सामूहिक अवकाश या हड़ताल में भाग लेंगे, उनकी अनुपस्थिति को अनधिकृत माना जाएगा और उन दिनों का वेतन नहीं दिया जाएगा। यह आचरण प्रबंधन द्वारा कदाचार की श्रेणी में रखा गया है, जिस पर छत्तीसगढ़ सिविल सेवा नियमों के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त, हड़ताल में भाग लेना या अन्य कर्मचारियों को इसके लिए प्रेरित करना दीर्घकालीन दुराचार माना जाएगा, जिस पर कड़ी सजा संभव है। मुख्य अभियंता परियल ने यह भी बताया कि सभी विभागाध्यक्षों को यह निर्देश दिए गए हैं कि वे हड़ताल में भाग लेने वाले कर्मचारियों की सूची तैयार कर शीघ्र मानव संसाधन विभाग को भेजें। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाए कि उपलब्ध स्टाफ और संसाधनों के जरिए सेवाएं बाधित न हों और कार्य संचालन सुचारू रूप से जारी रहे।

सारनाथ तीन महीने में 32 दिन रहेगी रद्दः वजह बताई कोहरा, पर इसी रूट पर चलेगी दूसरी ट्रेन

रायपुर, संवाददाता।

ठंड का मौसम शुरू होने से पहले ही रेलवे ने संभावित घने कोहरे के कारण दुर्ग से छपरा जाने वाली यात्रियों की पसंदीदा ट्रेन को दिसंबर, जनवरी और फरवरी में विभिन्न तिथियों पर रद्द करने का निर्णय लिया है। इस फैसले से उत्तरप्रदेश और बिहार जाने वाले यात्रियों की परेशानी अभी से बढ़ गई है। यह ट्रेन नियमित रूप से चलने वाली सेवा है, जिसमें रोजाना बड़ी संख्या में यात्री सफर करते हैं। हर साल की तरह इस बार भी रेलवे ने कोहरे की संभावना को देखते हुए अग्रिम रूप से ट्रेनों को रद्द करने का निर्णय लिया है।

यात्री ने फिर से बहाल करने की मांग: पिछले पांच पहले वर्षों से अधिक समय से रेलवे ठंड शुरू होने से सारनाथ और दिल्ली मार्ग की कई ट्रेनों को इसी वजह से रद्द करता आ रहा है। पिछले वर्ष भी जब रेलवे ने यह ट्रेन रद्द की थी, तो यात्रियों ने विरोध जताया था। विरोध के बाद ही रेलवे को ट्रेनों का संचालन दोबारा बहाल करना पड़ा था। आदेश जारी होने के बाद यात्री फिर से बहाल करने की मांग करने लगे हैं।

दिसंबर से फरवरी तक 32 दिन रद्द रहेगी सारनाथ: रेलवे ने ठंड में इस बार दिसंबर से फरवरी के बीच 32 दिन सारनाथ को रद्द किया है, जिसमें दिसंबर में 14 दिन, जनवरी में 12 और फरवरी में 6 दिन रद्द रहेगी। पिछले साल रेलवे ने 39 दिन रद्द का आदेश निकाला था। बता दें कि 01, 03, 06, 08, 10, 13, 15, 17, 20, 22, 24, 27, 29 एवं 31 दिसम्बर, 2025 को, जनवरी माह में 03, 05, 07, 10, 12, 14, 17, 19, 21, 24, 26, 28 एवं 31 जनवरी, 2026 को तथा फरवरी माह में 02, 04, 07, 09, 11 एवं 14 फरवरी, 2026 को इस ट्रेन का परिचालन स्थगित किया गया है।

कोहरे की मार बरौनी एक्सप्रेस पर क्यों नहीं: रेलवे ने छपरा जाने वाली सारनाथ एक्सप्रेस को दिसंबर से फरवरी तक अलग-अलग तारीखों में रद्द कर यात्रियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। रेलवे का यह अजीबोगरीब फैसला तीसरे साल भी आया है, लेकिन यात्रियों को इसके पीछे का तर्क अभी तक समझ नहीं आया। सारनाथ एक्सप्रेस और गोंदिया बरौनी एक्सप्रेस का रूट लगभग एक जैसा ही है। कुछ नए रूट हैं, लेकिन दोनों ही ट्रेन प्रयागराज व वाराणसी के रास्ते छपरा को जाती है, फिर कोहरे का साया केवल सारनाथ पर ही क्यों बताया जा रहा है! रेलवे का कहना है कि सारनाथ रात 9:15 को रायपुर से निकलती है, जो सुबह 5 बजे सतना पहुंचती है। इस दौरान काफी घना कोहरा होता है, इस वजह से परिचालन में दिक्कत होती है, जबकि दूसरी ट्रेन रात 12:45 को रायपुर से छूटती है और सुबह अपने निर्धारित समय 11:30 को पहुंच जाती है। दोनों ही रात की ट्रेन है, लेकिन कोहरे का ग्रहण केवल सारनाथ पर ही है। एक जैसा रूट होने के बाद केवल सारनाथ को रद्द करने के पीछे का कारण यात्रियों को समझ नहीं आ रहा है।

छत्तीसगढ़ में मौसम बदलने लगा, सर्द हवाओं की दस्तक

रायपुर, छत्तीसगढ़ में मानसून अब विदाई की ओर है। सुबह की ओस और रात की ठंडी हवा ने आने वाली सर्दी का एहसास करा दिया है। मौसम विभाग के अनुसार एक-दो दिनों में मानसून पूरी तरह लौट सकता है। राजधानी रायपुर में मंगलवार को दिनभर मौसम सामान्य रहा। आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान लगातार गिरने की संभावना जताई गई है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि अक्टूबर के मध्य तक रात के तापमान में दो से तीन डिग्री की और कमी संभव है। धूप अब तीखी नहीं रही, हल्के बादल और ठंडी हवाएं दिन को सुहावना बना रही हैं। बदलते मौसम ने लोगों की जीवनशैली पर भी असर डालना शुरू कर दिया है। सुबह की सैर पर निकलने वाले लोग अब स्वेटर और जैकेट पहनने लगे हैं। ग्रामीण इलाकों में पत्तों पर जमी ओस अब रोज सुबह की नई तस्वीर बन गई है। मौसम के इस बदलाव ने प्रदेश के लोगों को उमस और गर्मी से राहत दी है, वहीं सर्दियों की शुरुआत का नया अहसास भी दिला दिया है।

महापौर मीनल चौबे जापान में कर रही है रायपुर नगर पालिक निगम का प्रतिनिधित्व

जापान में 14 से 16 अक्टूबर तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मेयर फोरम में हुई शामिल

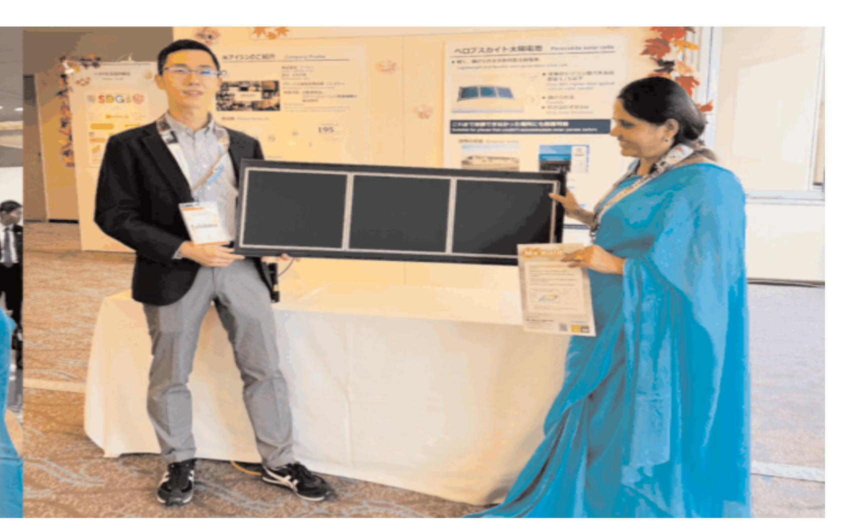

रायपुर, । नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे जापान के टोयोटा सिटी में दिनांक 14 अक्टूबर से 16 अक्टूबर 2025 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मेयर फोरम 2025 में रायपुर नगर पालिक निगम का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। यह तीन दिवसीय वैश्विक मंच विश्व के नगरों और संयुक्त राष्ट्र संस्थाओं के बीच सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के स्थानीय क्रियान्वयन और नवाचारपूर्ण शहरी विकास पर केंद्रित है।

फोरम के प्रथम दिवस पर विभिन्न देशों से आए प्रतिनिधियों ने अपने-अपने नगरों की चुनौतियों और उनके समाधान पर विचार साझा किए। चर्चाओं में प्लास्टिक रीसाइक्लिंग को बढ़ावा, स्कूलों में कचरे का पृथक्करण तथा रिड्यूस,रियूज,रिसायकल (आरआरआर) की जागरूकता को शैक्षणिक स्तर पर शामिल करने जैसे विषय प्रमुख रहे।

प्रतिनिधियों ने यह भी बताया कि अपशिष्ट से उपयोगी उत्पाद बनाकर पर्यावरण संरक्षण व स्थानीय रोजगार को प्रोत्साहन दिया जा सकता है। जापान द्वारा प्रस्तुत लो कॉर्बन सिटी मास्टरप्लान के तहत क्लीनर ड्रेन्स लेस फुड्स और साउंड मेटेरियल्स सायकल सोसायटी की अवधारणा साझा की गई, जिसका उद्देश्य कम-कार्बन, स्वच्छ और जलवायु-लचीले शहरों का निर्माण है। फोरम में विश्व बैंक, अन-हेबिटेट, यूएनईपी,यूएनआईडीओ सहित जापान, कोरिया, मलेशिया, रवांडा, पाकिस्तान और ग्रीस के प्रतिनिधि शामिल हुए। मंगोलिया के उलानबटार सिटी ने हाउसिंग बोर्ड प्रोजेक्ट, जबकि मलेशिया के पेनांग सिटी काउंसिल ने सुरक्षित एवं लचीले आवास विषय पर प्रस्तुति दी। युगांडा के मसाका सिटी के मेयर ने भी अनियोजित बस्तियाँ, अवसंरचना की कमी और जलवायु चुनौतियों पर अपने अनुभव साझा किए।

अंग्रेजी हुकूमत काल के जनजातीय विद्रोहों पर आधारित संग्रहालय को दिया जा रहा अंतिम स्वरूप

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राज्योत्सव के अवसर पर करेंगे उद्घाटन

मुख्य सचिव श्री विकास शील ने निर्माण स्थल पर पहुंचकर ली तैयारियों की समीक्षा

ओरिएंटेशन रूम की डाक्यूड्रामा हल्बी-गोंडी सहित अन्य जनजातीय बोलियों में तैयार करने के निर्देश

रायपुर, अंग्रेजी हुकूमत के काल में छत्तीसगढ़ के आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के शौर्य और बलिदान की स्मृति में नवा रायपुर, अटल नगर में निर्मित किए जा रहे भव्य संग्रहालय-सह-स्मारक को अंतिम रूप दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राज्योत्सव के अवसर पर इस संग्रहालय का उद्घाटन करेंगे। मुख्य सचिव विकास शील ने आज निर्माण स्थल पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर बनाया जा रहा यह संग्रहालय देश का पहला पूर्णतः डिजिटल संग्रहालय होगा। इसमें स्वतंत्रता आंदोलन के समय छत्तीसगढ़ में हुए 14 प्रमुख आदिवासी विद्रोहों के साथ-साथ जंगल सत्याग्रह और झंडा सत्याग्रह पर अलग-अलग गैलरियाँ बनाई जा रही हैं। संग्रहालय में आगंतुकों को इन जनजातीय आंदोलनों की जीवंत झलकें देखने और सुनने को मिलेंगी। निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव शील ने कहा कि संग्रहालय में प्रदर्शित की जाने वाली सभी वस्तुओं और सामग्री को उनके मूल स्वरूप में ही प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि ओरिएंटेशन रूम में प्रदर्शित की जाने वाली डाक्यूड्रामा हल्बी-गोंडी या अन्य जनजातीय बोलियों में तैयार की जाए, ताकि यह स्थानीय संस्कृति से जुड़ाव का सशक्त माध्यम बन सके। उन्होंने प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए सभी गैलरियों का भ्रमण किया और आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने संग्रहालय में प्रदर्शित किए जाने वाले आदिवासी विद्रोहों का संक्षिप्त परिचय देते हुए पूरे रूट चार्ट के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने आज ही संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर लोकार्पण की तैयारियों की समीक्षा की। श्री बोरा ने कहा कि यह छत्तीसगढ़ के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण अवसर है कि देश का पहला पूर्णतः डिजिटल आदिवासी संग्रहालय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के कर-कमलों से लोकार्पित होने जा रहा है। उन्होंने सभी विभागों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का आग्रह किया। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने प्रधानमंत्री जी के लोकार्पण रूट-प्लान के अनुसार अनिवार्य सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने, संग्रहालय तक आने वाले पूरे मार्ग पर स्ट्रीट लाइट, रंग-रोगन एवं सौंदर्यीकरण के कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संग्रहालय क्षेत्र में चौबीसों घंटे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा गार्डनिंग और वृक्षारोपण की आवश्यक तैयारियाँ भी समय पर पूरी हों। उल्लेखनीय है कि शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय देश का पहला पूर्णतः डिजिटल संग्रहालय होगा। इसमें स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान छत्तीसगढ़ में हुए प्रमुख आदिवासी विद्रोहों–हल्बा विद्रोह, सरगुजा विद्रोह, भोपालपट्टनम विद्रोह, परलकोट विद्रोह, तारापुर विद्रोह, लिंगागिरी विद्रोह, कोई विद्रोह, मेरिया विद्रोह, मुरिया विद्रोह, रानी चौरिस विद्रोह, भूमकाल विद्रोह, सोनाखान विद्रोह, तथा झंडा सत्याग्रह और जंगल सत्याग्रह–के वीर नायकों के संघर्ष और शौर्य को 14 गैलरियों में जीवंत रूप से प्रदर्शित किया जा रहा है। बैठक में संभागायुक्त महादेव कावरे, आयुक्त आदिम जाति विकास विभाग डॉ. सारांश मित्तर, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के आयुक्त अवनीश शरण, कलेक्टर श्री गौरव सिंह, नगर निगम रायपुर के आयुक्त विश्वजीत, संचालक टीआरटीआई हिना अनिमेष नेताम, संचालक अंत्यावसायी विकास निगम डॉ. जगदीश कुमार सोनकर, अतिरिक्त कलेक्टर नम्रता जैन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेंद सिंह, डीआईजी छत्तीसगढ़ अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं सुरेश ठाकुर, एनआरडीए के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल के मुख्य अभियंता, तथा लोक निर्माण विभाग रायपुर के मुख्य और कार्यपालन अभियंता सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

संपादकीय

सोना इतना महंगा क्यों?

सोने के साथ-साथ क्रिप्टो करेंसी का भाव भी बढ़ा है। अमेरिकी शेयर बाजार ऊंचाई पर हैं। इसका शिकार अमेरिकी सरकार के बॉन्ड बने हैं। हाल में प्रमुख मुद्राओं के बास्केट की तुलना में डॉलर की कीमत नौ फीसदी गिरी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का भाव प्रति औंस 4000 डॉलर पार कर गया है। भारत में बुधवार को 24 कैरेट सोने की कीमत प्रति दस ग्राम सवा लाख रुपये से अधिक हो गई। इसके साथ इस वर्ष सोने का भाव 51 फीसदी बढ़ चुका है। यह असामान्य घटनाक्रम है, जबकि यह दाम की अंतिम सीमा नहीं है। अमेरिकी इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन शैक्स का अनुमान है कि 2026 के आखिर तक सोने का भाव प्रति औंस 4,900 डॉलर पार कर जाएगा। उधर मॉर्गन स्टैनले के रणनीतिकारों ने निवेशकों को सलाह दी है कि वे अपना कम-से-कम 20 प्रतिशत पैसा सोने में लगाएं।

भूली यादों की सुबह।

कभी–कभी सुबह अचानक आती है,
जैसे किसी पुराने पत्र से
खुशबू निकल पड़े।

धूप आँगन में नहीं,
मन के भीतर उतरती है,
जहाँ किसी की हँसी अब भी
धीरे–धीरे गूंजती है।
कोई नाम नहीं लेता अब,
पर हवा में वह नाम घुला है,
जैसे मिट्टी में पानी की आखिरि नमी।
खिड़की पर धूप के साथ
एक स्मृति बैठी है,
उसकी गोद में किसी बीते दिन की
हँसी सोई हुई है।

कभी लगता है —
सुबह भी हमें ढूँढ़ती होगी,
जैसे कोई माँ,
जो घर लौटे बच्चे की आहट सुनती
हो।
बीते हुए लोग कहीं नहीं जाते,
वे बस समय की परतों में
धीरे–धीरे उजाला बन जाते हैं।

हर सुबह, जब रोशनी दीवार पर
गिरती है,
तो लगता है —
किसी ने भीतर से कहा हो,
मैं यहाँ हूँ,
बस थोड़ी दूर याद में।

– संजीव ठाकुर

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन

PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp
Modimaya_Vaidik_Netritva
Rashtriya Ekta
DLF-Vadra-Bhrasht Tantra
Silent Assassins Jan11,1966
Accursed & Jihadi Neighbour

गरीबी है मानवता के भाल पर बड़ा कलंक

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

विश्व समुदाय हर वर्ष 17 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस के रूप में मनाता है। यह दिन केवल एक स्मरण नहीं, बल्कि मानवता के समक्ष खड़ी सबसे बड़ी चुनौती पर मंथन का अवसर है। सभ्यता के विकास, तकनीकी प्रगति, आर्थिक विस्तार और वैश्विक व्यापार के बावजूद आज भी करोड़ों लोग रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित हैं। गरीबी एक आर्थिक स्थिति मात्र नहीं है, यह मनुष्य की गरिमा पर सबसे बड़ा आघात है-यह उसके सपनों, आत्मविश्वास और अस्तित्व को कुचलने वाला सामाजिक अभिशाप है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1992 में गरीबी को खत्म करने के प्रयासों और संवाद को बढ़ावा देने के लिए इस दिन की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य गरीबी में जी रहे लोगों के संघर्ष को स्वीकार करना और गरीबी के विभिन्न आयामों, जैसे कि आय की कमी, स्वास्थ्य और शिक्षा तक पहुँच की कमी आदि को संबोधित करना है। 2025 की थीम 'परिवारों के लिए सम्मान और प्रभावी समर्थन सुनिश्चित करके सामाजिक और संस्थागत दुर्व्यवहार को समाप्त करना' है। इस दिवस का उद्देश्य गरीबी और इसके कारणों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, तथा गरीबी से जूझ रहे लोगों की समस्याओं को उजागर करना है।

आज दुनिया में लगभग सत्तर करोड़ लोग अत्यंत गरीबी में जीवन बिता रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र का लक्ष्य है कि 2030 तक अत्यंत गरीबी का अंत किया जाए, परंतु यह लक्ष्य अभी भी दूर प्रतीत होता है। युद्ध, जलवायु परिवर्तन, असमान आर्थिक नीतियाँ, जनसंख्या वृद्धि और बेरोज़गारी ने गरीबी को नया रूप दिया है। अब गरीबी केवल रोटी की कमी नहीं, बल्कि अवसरों की असमानता और सामाजिक अन्याय का भी प्रतीक बन चुकी है। अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन कहते हैं-÷गरीबी केवल आय का प्रश्न नहीं है, यह स्वतंत्रता की कमी है।÷ अर्थात जब किसी व्यक्ति के पास अपने जीवन को अपनी इच्छा के अनुसार ढालने के अवसर नहीं होते, तभी वास्तविक गरीबी जन्म लेती है। भारत ने पिछले कुछ दशकों में गरीबी घटाने के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। नीति आयोग के अनुसार, 2013-14 में जहाँ देश की 29 प्रतिशत आबादी बहुआयामी गरीबी में थी, वहीं 2019-21 तक यह घटकर लगभग 11 प्रतिशत रह गई। परंतु यह सफलता पूर्ण नहीं कही जा सकती, क्योंकि गरीबी का असर ग्रामीण इलाकों, दलितों, आदिवासियों और महिलाओं पर अभी भी अधिक है। गरीबी का सबसे बड़ा प्रभाव शिक्षा और स्वास्थ्य पर पड़ता है-जहाँ गरीब बच्चे स्कूल छोड़ने पर मजबूर होते हैं, वहीं परिवार बीमारी का खर्च नहीं उठा पाते। यह चक्र दर चक्र उन्हें फिर गरीबी में धकेल देता है।

आजादी के अमृत काल में सशक्त भारत एवं विकसित भारत को निर्मित करते हुए गरीबमुक्त भारत के संकल्प को भी आकार देना होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार ने वर्ष 2047 के आजादी के शताब्दी समारोह के लिये जो योजनाएं एवं लक्ष्य तय किये हैं, उनमें गरीबी उन्मूलन के लिये भी व्यापक योजनाएं बनायी गयी है। विगत ग्यारह वर्ष एवं मोदी के तीसरे कार्यकाल में ऐसी गरीब कल्याण की योजनाओं को लागू किया गया है, जिससे भारत के भाल पर लगे गरीबी के शर्म के कलंक को धोने के सार्थक प्रयत्न हुए है एवं गरीबी की रेखा से नीचे जीने वालों को ऊपर उठाया गया है। वर्ष 2005 से 2020 तक देश में करीब 41 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं तब भी भारत विश्व में एकमात्र ऐसा देश है जहां गरीबी सर्वाधिक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबी उन्मूलन के लिये उल्लेखनीय एवं सफलतम उपक्रम किये हैं, उन्होंने गरीबी को राष्ट्र निर्माण की केंद्र बिंदु नीति के रूप में प्रस्तुत किया। उनके नेतृत्व में सरकार ने गरीबी के खिलाफ लड़ाई को केवल कल्याण योजनाओं तक सीमित न रखकर आत्मनिर्भरता के आंदोलन में बदल दिया। जनधन-आधार-मोबाइल ट्रिनिटी ने गरीबों को औपचारिक बैंकिंग से जोड़ा, जिससे पारदर्शिता बढ़ी और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से करोड़ों परिवारों को सीधा लाभ मिला। प्रधानमंत्री आवास योजना ने गरीबों के सिर पर छत का सपना साकार किया और अब तक चार करोड़ से अधिक घरों का निर्माण हुआ है। उज्ज्वला योजना ने गरीब महिलाओं को धुएं से मुक्त जीवन दिया और यह योजना केवल गैस सिलेंडर नहीं, बल्कि समानता और सम्मान का प्रतीक बनी। आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना ने महामारी के कठिन दौर में गरीबों को सुरक्षा कवच दिया, वहीं आत्मनिर्भर भारत अभियान ने गरीबी उन्मूलन का दीर्घकालिक रास्ता रोज़गार, कौशल और स्वाभिमान के माध्यम से खोला। प्रधानमंत्री का यह कथन इस दृष्टिकोण को स्पष्ट करता है-÷गरीबी को खत्म करने के लिए सरकार नहीं, समाज को भी संवेदनशील बनना होगा। जब हर गरीब का सपना हमारा सपना बनेगा, तभी समृद्ध भारत बनेगा।÷

गरीबी केवल सरकारी योजनाओं से नहीं मिटेगी; इसके लिए एक व्यापक मानव-केंद्रित सोच की आवश्यकता है। शिक्षा को अधिकार नहीं, अवसर बनाना होगा, हर व्यक्ति को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण मिलना चाहिए। समान आर्थिक अवसरों की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि शहरी और ग्रामीण भारत के बीच की खाई घटे। पूंजी का उद्देश्य केवल मुनाफा नहीं, बल्कि सामाजिक कल्याण भी होना चाहिए। साथ ही, महात्मा गांधी के शब्दों में, ÷गरीबी सबसे बड़ी हिंसा है''-यह भावना हमारे सामाजिक चरित्र में उतरनी चाहिए। जब तक समाज करुणा और साझेदारी की भावना नहीं अपनाएगा, तब तक गरीबी का अंत संभव नहीं। भारत आज गरीबी उन्मूलन का एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत कर रहा है-जहाँ विकास का अर्थ केवल जीडीपी नहीं, बल्कि गरीब का उत्थान है। यह संदेश दुनिया के लिए भी प्रेरणा है कि यदि सबसे बड़ा लोकतंत्र करोड़ों लोगों को गरीबी से ऊपर उठा सकता है, गरीब मुक्त भारत के सपने को आकार दे सकता है तो वैश्विक समुदाय भी एकजुट होकर यह कर सकता है। गरीबी केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, यह मानवता की परीक्षा है। जब तक दुनिया के किसी कोने में कोई व्यक्ति भूखा सोएगा, तब तक सभ्यता का विकास अधूरा रहेगा। अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि ÷सच्ची प्रगति वही है, जिसमें समाज के सबसे आखिरी व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान हो।÷ आज आवश्यकता है एक वैश्विक संकल्प की-'गरीबी नहीं, समानता हमारा धर्म बने।' जब हर राष्ट्र, हर समाज और हर व्यक्ति इस दिशा में जिम्मेदारी निभाएगा, तभी वह दिन आएगा जब गरीबी इतिहास का विषय होगी, वर्तमान का नहीं।

गरीबी व्यक्ति को बेहतर जीवन जीने में अक्षम बनाता है। गरीबी के कारण व्यक्ति को जीवन में शक्तिहीनता और आजादी की कमी महसूस होती है। गरीबी उस स्थिति की तरह है, जो व्यक्ति को अपनी इच्छानुसार कुछ भी करने में अक्षम बनानी है। गरीबी ऐसी त्रासदी एवं दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति है जिसका कोई भी अनुभव नहीं करना चाहता। एक बार महात्मा गांधी ने कहा था कि गरीबी कोई दैवीय अभिशाप नहीं है बल्कि यह मानवजाति द्वारा रचित सबसे बड़ी समस्या है। भारत में गरीबी का मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या, कमजोर कृषि, भ्रष्टाचार, रूढ़िवादी सोच, जातिवाद, अमीर-गरीब में ऊंच-नीच, नौकरी की कमी, अशिक्षा, बीमारी आदि हैं। एक आजाद मुल्क में, एक शोषणविहीन समाज में, एक समतावादी दृष्टिकोण में और एक कल्याणकारी समाजवादी व्यवस्था में गरीबी रेखा नहीं होनी चाहिए। यह रेखा उन कर्णधारों के लिए शर्म की रेखा है, जिसको देखकर उन्हें शर्म आनी चाहिए। यहां प्रश्न है कि जो रोटी नहीं दे सके वह सरकार कैसी? जो अभय नहीं बना सके, वह व्यवस्था कैसी? जो इज्जत व स्नेह नहीं दे सके, वह समाज कैसा? जो शिष्य को अच्छे-बुरे का भेद न बता सके, वह गुरु कैसा?

गांधी, विनोबा एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने सबके उदय एवं गरीबी उन्मूलन के लिए 'अन्त्योदय' एवं 'सर्वोदय' की बात की। लेकिन राजनीतिज्ञों ने उसे निज्योदय बना दिया। जे. पी. ने जाति धर्म से राजनीति को बाहर निकालने के लिए 'संपूर्ण क्रांति' का नारा दिया। जो उनको दी गई श्रद्धांजलि के साथ ही समाप्त हो गया। 'गरीबी हटाओ' में गरीब हट गए। स्थिति ने बल्कि नया मोड़ लिया है कि जो गरीबी के नारे को जितना भुना सकते हैं, वे सत्ता प्राप्त कर सकते हैं। कैसे समतामूलक एवं संतुलित समाज का सुनहरा स्वप्न साकार होगा? कैसे मोदीजी का नया भारत निर्मित होगा? **यह निजी विचार है।**

कार्तिक मास में दीपक की महत्ता

- पं. चन्द्रभूषण शुक्ला

प्रचारक संस्कृत भाषा।

वैसे तो हर शुभ अवसर पर दीपक जलाकर पूजा किया जाता है लेकिन कार्तिक मास में विशेष रूप से पूरे घर, मन्दिर, नदी, तलाब मे दीपक जलाये जाते हैं और इस माह को दीप पर्व के रूप मे भी जाना जाता है। संस्कृत भाषा के प्रचारक व धर्मशास्त्री पं. चन्द्रभूषण शुक्ला ने बताया कि धार्मिक एवं ऐतिहासिक दृष्टि से इन मिट्टी के दीपकों की महिमा निराली है। आइये जाने दीपक (दीया) का महत्व :-

1. घी, तेल का दीपक जलाने से वातावरण सात्विक होता है।
2. दीपक जलाने से मानव शरीर के सभी सात चक्र शुद्ध होते हैं और जागृत अवस्था में रहते हैं।
3. दीपक जलाने से शरीर की नाड़ियाँ जागृत व शुद्ध होती है।
4. दीपक सकरात्मकता का प्रतीक है।
5. दीपक अशिक्षा और दरिद्रता दूर करता है।
6. दीपक का महत्व दीपोत्सव पर ठीक उतना ही है, जितना लक्ष्मी पूजन का।
7. दीपक को महज ज्योति का नहीं, बल्कि ईश्वर का प्रतीक माना गया है।
8. दीपावली पर्व पर दीपक जलाकर खुशियाँ मनाई जाती है।
9. दीपक अंधकार को दूर भगाकर, शत्रु का नाश कर, आरोग्यता का परिचय देकर धन संपदा लाती है।
10. सहस्त्रों दीपक का प्रकाश आत्मिक एवं भौतिक अंधकार को दूर भगाता है।
11. दीपक यह सीख देता है की खुद अंधेरे में रहकर दूसरों को प्रकाशित करना।
12. दीप को उपासना के साथ साथ ज्योतिरूपी ज्ञान का प्रतीक माना गया है।
13. प्रतिदिन का संध्या दीप माँ लक्ष्मी के स्वागत का प्रतीक है।
14. गंगा, यमुना आदि पवित्र नदियों में पूजा आरती करने के बाद दोना, पत्ते मे दीप जलाकार पानी मे बहाया जाता है। ये दीये दूर तक पानी मे झिलमिलाते नजर आते हैं जो मन के साथ जीवन में भी आनंद और उल्लास का प्रसार करते हैं। (रायपुर के खारुन नदी मे भी कार्तिक मास मे दीपक जलाया जाता है)
15. प्राचीन समय में सीप के दीये, पत्थर के दीये, बड़े बड़े पीतल, तांबे के दीये (समाई) उपयोग किये जाते थे। आज के समय में मिट्टी के दीये अधिक उपयोग किये जाते हैं।
16. राजाओं के काल में कई फुट ऊँचे ऐसे दीप स्तंभ उपयोग किये जाते थे जिन पर दर्जनों दीपक एक साथ रखे जाते थे। इन ऊँचे दीप स्तंभों को चिरागदान कहा जाता था।
17. मंदिरों मे देवी देवताओं के दोनों तरफ विशाल आकर के दीपक रखने का प्रचलन है जिसे समाई कहते हैं।
18. पितरों का मार्ग आलोकित करने लंबे बांस पर दीपक टांग दिया जाता रहा है जिसे आकाश दीप कहा जाता है, जो आज भी नये रूप मे आकाश मे उड़ने वाले दीये जलाये जाते हैं।
19. दीपक (दीया) प्रकाश, जीवन और ज्ञान का प्रतीक है, शुभ कार्य के शुरुआत का प्रतीक है, इसके बिना सब कुछ अंधकारमय है।
20. भले ही आज के समय में इन दीपकों का स्थान कृत्रिम प्रकाश (झालर, लाइट) ने ले लिया हो लेकिन आज भी अधिकतर मंदिरों में, नवरात्रि, दीपावली पर्व में गांवों में मिट्टी के दीपक ही उपयोग में लिए जाते हैं।

दीपक जलाते समय ध्यान दें -

महामाया मन्दिर के ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पं. मनोज शुक्ला ने बताया कि दीपक जलाते समय कुछ छोटी छोटी बातें ध्यान देने योग्य होती है :-

1. शुभ कार्य में दो बत्ती वाला दीपक जलाएँ।
2. मिट्टी के दीये का उपयोग करना चाहिए, यह अधिक शुद्ध माना गया है।
3. प्रतिदिन आरती करने हेतु पीतल के दीये, या घर मे आरती के लिए आटें से बने दीये का भी उपयोग किया जा सकता है।
4. देवी - देवताओं के लिए दीप जलाना है तो उस दीपक का मुँह (जलने वाला भाग) पूर्व या उत्तर की ओर रखें।
5. यम के लिए दीपक जलाना है तो दीपक का मुँह दक्षिण दिशा की ओर रखनी चाहिए। यम चौदस में 14 दीये दक्षिण दिशा की ओर जलाएँ।
6. शुद्ध घी से दीपक जलाना ज्यादा उत्तम है, घी उपलब्ध न हो तो शुद्ध तेल का उपयोग किया जाना चाहिए।
7. तिल के तेल का दीपक शनि देव के लिए जलना चाहिए।
8. सरसों के तेल का दीपक भैरव जी के लिए जलाना चाहिए।
9. पूर्व की ओर मुख करके दीपक जलाने से आयु मे वृद्धि एवं स्वास्थ्य ठीक रहता है।
10. उत्तर की ओर मुख करके दीपक जलाने से धन के क्षेत्र में सफलता मिलती है।
11. दीपावली में दीये कतारबद्ध जलाने चाहिए, घर का कोई कोना प्रकाश से वंचित न हो इसका ध्यान रखना चाहिए।
12. दीप जलाने से घर में शुभता और पवित्रता आती है, अतः प्रतिदिन घर में दीपक जलाने चाहिए।
13. कार्तिक का महिना बहुत ही पुण्य का महिना है इसलिए पूरे माह दीपक जलाना चाहिए। नदी मे दीपक जलाकर प्रवाहित करना चाहिए।
14. एक दीपक से दूसरे दीपक को जोड़कर नहीं जलाना चाहिए, इसके लिए दियासलाई (माचिस), मोमबत्ती का प्रयोग करें।
15. अपने आसपास पड़ोसियों, रिश्तेदारों, मानदान, ब्राम्हणो के घर तुलसी चौरा मे दीप रख कर उनका अभिवादन करना चाहिए।

दीपक जलाते हुए निम्न मंत्र का उच्चारण करना चाहिए-

शुभं करोतु कल्याणमारोग्यं सुखसम्पदम्।
शत्रुबुद्धिविनाशं च दीपज्योतिर्नमोस्तु ते ।।

दीपो ज्योतिः परं ब्रह्म दीपो ज्योतिर्जनार्दनः।
दीपो हरतु मे पापं सांध्यदीप ! नमोस्तु ते।।

दीपक जलाकर अपने जीवन में सुख, समृद्धि, सुख-शांति, सौहार्द एवं अपार खुशियों की रोशनी से जीवन जग-मग रहे, ऐसी कामना करें।।

यह निजी विचार है।

दीपोत्सव पर भारतीय उत्पादों को महत्व दें

लेखक : प्रो. (डा.) मनमोहन प्रकाश

दीपोत्सव केवल दीपों का पर्व नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा के पुनर्जागरण का अवसर है। यह वह क्षण है जब हम अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और पराधीनता पर आत्मनिर्भरता की विजय का उत्सव मनाते हैं। दीपावली का वास्तविक संदेश केवल घरों को सजाने तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने देश को संवारने और अपनी संस्कृति को निखारने से भी जुड़ा है।आज जब बाज़ार विदेशी उत्पादों की चमक-दमक से भरे पड़े हैं, तब दीपावली हमें एक सजग उपभोक्ता के रूप में अपनी जिम्मेदारी का स्मरण कराती है। विदेशों में बनी देवी-देवताओं की मूर्तियाँ, कृत्रिम रोशनी के लैंप, प्लास्टिक की सजावट और आयातित उपहार भले ही आकर्षक दिखते हों, पर वे हमारी स्वदेशी कला, कारीगरी और आत्मनिर्भरता की भावना को क्षीण करते हैं। इसके विपरीत, भारतीय मिट्टी से बने दीपक, देशी हाथों से बनी मोमबत्तियाँ, मिट्टी के खिलौने, बांस, लकड़ी या कपड़े के सजावटी सामान न केवल पर्यावरण-सम्मत हैं, बल्कि करोड़ों भारतीय कारीगरों, कुम्हारों और हस्तशिल्पियों की आजीविका से भी सीधे जुड़े हैं। वास्तव में जब तक भारतीय उत्पाद आसानी से उपलब्ध हैं, विदेशी वस्तुओं से दूरी बनाना राष्ट्रहित में एक सचेत कदम है।स्वदेशी अपनाना केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि आर्थिक राष्ट्रभक्ति का प्रतीक भी है। जब हम 'मेड इन इंडिया' उत्पाद खरीदते हैं, तो वस्तु के साथ एक भारतीय परिवार की आशा, परिश्रम और सम्मान को भी सहेजते हैं। हर मिट्टी का दीपक, हर हस्तनिर्मित दीया और हर देसी मिठाई आत्मनिर्भर भारत की उस ज्योति का प्रतीक है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'वोकल फॉर लोकल' के रूप में राष्ट्रीय अभियान का रूप दिया है।दीपावली पर यदि हम स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दें, तो यह न केवल स्थानीय व्यापार और छोटे उद्योगों को सशक्त करेगा, बल्कि त्यौहार की सांस्कृतिक गरिमा भी संरक्षित रहेगी। यह उत्सव तभी पूर्ण होगा, जब हमारी रोशनी में हमारे अपने देशवासियों की मुस्कान झलके।आज आवश्यकता इस बात की है कि दीपावली की चकाचौंध में भारतीयता की गरिमा झलके, उपहारों में स्वदेशी भाव प्रवाहित हो और मिठास में देसी स्वाद घुले। हर ग्राहक को यह निर्णय लेना होगा कि खरीदारी से पहले स्वयं से पूछे - ÷क्या यह भारतीय हाथों से बना है?÷ यदि नहीं, तो उसे न खरीदना ही सच्चे अर्थों में देशसेवा होगी। तभी यह दीपावली आत्मनिर्भर भारत का दीपोत्सव बन सकेगी।आइए, इस दीपोत्सव पर केवल दीप ही नहीं जलाएँ, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था, स्वदेशी उद्योग और भारतीय कारीगरों के जीवन में भी नई रोशनी जगाएँ। यही सच्चे अर्थों में दीपोत्सव की भावना है ÷अपना त्योहार, अपनों से व्यापार।÷

यह निजी विचार है।

एस.सी.आर.टी. रायपुर में हुआ राज्य स्तरीय स्काउट-गाइड कार्यशाला का आयोजन –

छत्तीसगढ़ बनेगा स्काउटिंग का सशक्त केन्द्र

लोकशक्ति

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के द्वारा राज्य स्तरीय लीडर ट्रेनर, सहायक लीडर ट्रेनर, जिला सचिव, जिला प्रशिक्षण आयुक्त और जिला संगठन आयुक्त स्काउट गाइड का दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन राज्य प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान शंकर नगर रायपुर में आयोजित किया गया। जिसमें कोरिया जिले से राज्य प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट शैलेन्द्र कुमार मिश्रा ए.एल.टी. (कब), जिला संगठन आयुक्त स्काउट नागेश्वर साहू एल.टी (स्काउट) एवं सुनील बड़ा जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ मान. इन्दरजीत सिंह खालसा राज्य मुख्य आयुक्त के द्वारा किया गया, उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ का राज्य मुख्यालय कार्यालय भवन शीघ्र ही निर्माण किया जाएगा। जनवरी 2026 में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय रोवर रेंजर जंबूरी का आयोजन छत्तीसगढ़ में स्काउटिंग की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर प्रबलता से स्थापित की जाएगी। माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और माननीय गजेंद्र यादव मंत्री स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा स्काउट गाइड के सफल संचालन के लिए आवश्यक संसाधन और सहयोग प्राप्त होगा ऐसा आश्वासन प्राप्त हुआ है। श्री जितेंद्र कुमार साहू राज्य सचिव ने आए हुए सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और उन्होंने आशा व्यक्त की इन सबके सहयोग से छत्तीसगढ़ में स्काउट गाइड गतिविधियों का सफल संचालन होगा। इस कार्यशाला में प्रदेश के 30 जिलों से 17 लीडर ट्रेनर, 30 सहायक लीडर ट्रेनर, 19 जिला सचिव, 29 जिला प्रशिक्षण आयुक्त एवं 43 जिला संगठन आयुक्त स्काउट गाइड सम्मिलित हुए। इस कार्यशाला के संचालक अशोक देशमुख पूर्व राज्य सचिव, संचालक मंडल में रामपाल तिवारी, हसरत खान, टी. के. एस. परिहार, सी. एल. चंद्राकर, सीमा साहू,

जेरमिना एक्का, अनिता तिग्गा आदि सीनियर लीडरों के साथ राज्य मुख्यालय के अधिकारी और कर्मचारी सम्मिलित हैं।

कार्यशाला के समापन अवसर पर मान. राज्य मुख्य आयुक्त इन्दरजीत सिंह खालसा, एस.सी.आर.टी. के अतिरिक्त संचालक जे.पी. रथ जी एवं उल्लास कार्यक्रम के राज्य नोडल अधिकारी वर्मा जी उपस्थित रहे।

अबूझमाड़ के भीतर इन्द्रावती एरिया कमेटी के सेफ़ज़ोन ''कुड़मेल'' में नारायणपुर पुलिस ने स्थापित किया नवीन सुरक्षा कैंप

एक साल के भीतर नारायणपुर के अबूझमाड़ में खुला 12वां ''सुरक्षा एवं जन सुविधा कैम्प''।

नारायणपुर- पुलिस और आईटीबीपी के 44वीं वाहिनी ने खोला कुड़मेल सुरक्षा एवं जन सुविधा कैम्प। स्थानीय लोगों को नक्सल हिंसा से निजात दिलाने में मिलेगी मदद। अबूझमाड़ क्षेत्र में हो रहे तेजी से विकास कार्यों से प्रभावित होकर वर्ष 2024-25 में नक्सल विचारधारा को त्याग कर 208 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण । भारी बारिश और बाढ़ जैसे मानसूनी चुनौतियों के बावजूद नारायणपुर पुलिस ने खोली थाना ओरछा के आगे चौथा अंदरूनी कैम्प ÷कुड़मेल÷ नवीन कैम्प कुड्मेल में स्थापित करने में नारायणपुर डीआरजी, बस्तर फॉईटर एवं आईटीबीपी44वीं, 29वीं, 38वीं, 45वीं,वाहिनी की महत्वपूर्ण भूमिका। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में नारायणपुर पुलिस द्वारा नक्सल मुक्त सशक्त बस्तर की कल्पना को साकार रूप देने हेतु क्षेत्र में लगातार नक्सल विरोधी ''माड़ बचाओ'' अभियान संचालित किया जा रहा है। साथ ही अबूझमाड़ में लगातार नवीन कैम्प स्थापित करते हुए सड़क पुल-पुलिया निर्माण सहित अन्य जन कल्याणकारी योजनाओं को अंदरूनी गांव तक पहुंचाये जाने में सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

इसी कड़ी में घोर नक्सल प्रभावित माड़ क्षेत्र में माओवादियों के आश्रय स्थल थाना ओरछा अंतर्गत ग्राम कुड़मेल में नक्सल विरोधी अभियानों एवं ओरछा -आदेर-लंका एक्सिस तक सड़क निर्माण कार्य में सुरक्षा प्रदान करने एवं विकास कार्यो में सहयोग पहुंचाने के उद्देश्य से दिनांक 15-10-2025 को नारायणपुर पुलिस डीआरजी, बस्तर फ ॉईटर एवं आईटीबीपी 44वीं, 29वीं, 38वीं, 45वीं वाहिनी के द्वारा नवीन कैम्प स्थापित किया गया है। ग्राम कुड़मेल में नवीन कैम्प स्थापित होने से क्षेत्र के ग्रामीणों में काफी उत्साह एवं सुरक्षा का माहौल बना हुआ है।

रक्षा मंत्री ने पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए वित्तीय सहायता में शत प्रतिशत की वृद्धि को स्वीकृति प्रदान की

पीआईबी

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने केंद्रीय सैनिक बोर्ड के माध्यम से पूर्व सैनिक कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के अंतर्गत पूर्व सैनिकों (ईएसएम) और उनके आश्रितों के लिए वित्तीय सहायता में शत प्रतिशत की वृद्धि को स्वीकृति प्रदान कर दी है। यह निर्णय सरकार की पूर्व सैनिकों के कल्याण और सामाजिक सुरक्षा के लिए प्रतिबद्धता को दर्शाता है। स्वीकृत बढ़ोतरी इस प्रकार हैं:

पेनुरी ग्रांट को प्रति लाभार्थी 4,000 रुपये से बढ़ाकर 8,000 रुपये प्रति माह कर दिया गया है। इस कदम से 65 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे वृद्ध और गैर-पेंशनभोगी पूर्व सैनिकों तथा उनकी वीर नारियों को आजीवन आर्थिक सुरक्षा व निरंतर सहायता सुनिश्चित होगी, जिनकी कोई नियमित आय नहीं है। इसके अलावा, दो आश्रित बच्चों (कक्षा 1 से स्नातक तक) या दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम कर रही वीर नारियों के लिए शिक्षा अनुदान को 1,000 रुपये से बढ़ाकर 2,000 रुपये प्रति माह प्रति व्यक्ति कर दिया गया है, जिससे शिक्षा के अवसरों को और सशक्त सहयोग मिलेगा।

विवाह अनुदान को प्रति लाभार्थी 50,000 रुपये से बढ़ाकर 1,00,000 रुपये कर दिया गया है। यह संशोधित अनुदान पूर्व सैनिकों की अधिकतम दो पुत्रियों के विवाह और वीर नारियों के पुनर्विवाह पर लागू होगा, बशर्ते ये विवाह इस आदेश के जारी होने के बाद संपन्न हुए हों।

संशोधित दरें 1 नवंबर, 2025 से प्राप्त होने वाले आवेदनों पर लागू होंगी। इन संशोधनों से सरकार पर लगभग 257 करोड़ रुपये का वार्षिक वित्तीय भार आएगा, जिसे सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष (एएफएफडीएफ) से वहन किया जाएगा।

इन योजनाओं का वित्तपोषण रक्षा मंत्री भूतपूर्व सैनिक कल्याण कोष के माध्यम से किया जाता है, जो एएफएफडीएफ का एक उपकोष है और पूर्व सैनिकों तथा उनके परिवारों के कल्याण के लिए समर्पित है।

यह निर्णय गैर-पेंशनभोगी पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और निम्न आय वर्ग के आश्रितों के लिए सामाजिक सुरक्षा के ताने-बाने को सशक्त बनाता है। साथ ही, यह देश के पूर्व सैनिकों की सेवा, समर्पण एवं बलिदान के प्रति सरकार की अटूट सम्मानभावना और प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

एनएमडीसी स्टील पाइपलाइन परिवहन हेतु वेल्डेड स्टील पाइप हेतु

लोकशक्ति।

भारत के सबसे नवीन और अत्याधुनिक एकीकृत इस्पात संयंत्र एनएमडीसी स्टील लिमिटेड (एनएसएल) ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है तथा वह देश की पहली कंपनी बन गई है जिसे ÷पाइपलाइन परिवहन प्रणालियों के लिए वेल्डेड स्टील पाइप हेतु हॉट रोल्ड स्टील स्ट्रिप, शीट और प्लेट्स - सामान्य अपेक्षाएं (आईएस 18384:2023) ÷ के लिए भारतीय मानक (आईएस) लाइसेंस प्राप्त हुआ है।

यह प्रमाणन बीआईएस, रायपुर द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर में आयोजित विश्व मानक दिवस 2025 समारोह के दौरान भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने प्रदान किया । यह पुरस्कार एनएमडीसी स्टील के मुख्य महाप्रबंधक (इस्पात) श्री अमृत नारायण ने छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से प्राप्त किया। समारोह में श्री दयाल दास बघेल, माननीय खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री, तथा श्री एस.के. गुप्ता, निदेशक एवं प्रमुख, बीआईएस रायपुर की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह प्रमाणन एनएमडीसी स्टील की गुणवत्ता, नवाचार और सतत विकास के लिए प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। यह एनएसएल के विश्वस्तरीय इस्पात उत्पादन करने के दृष्टिकोण को पुष्ट करता है जो पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र में सुरक्षा और निष्पादन के सबसे कठिन मानकों को पूरा करते हैं। ।

आईएस 18384:2023 प्रमाणन पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस उद्योग में पाइपलाइन परिवहन प्रणालियों के लिए डिज़ाइन किए गए इस्पात उत्पादों में उत्कृष्टता के लिए एक महत्वपूर्ण मानक स्थापित करता है। यह एनएमडीसी स्टील के तकनीकी उन्नयन, उत्कृष्ट उत्पाद गुणवत्ता और सुस्थिर विनिर्माण प्रथाओं पर केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है।

इस उपलब्धि पर बोलते हुए श्री अमिताभ मुखर्जी , अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक , एनएमडीसी स्टील ने कहा:

÷हमें गर्व है कि भारत में सर्वप्रथम यह बीआईएस लाइसेंस हमें प्राप्त हुआ है। यह उत्कृष्टता के प्रति हमारे समर्पण और भारत के औद्योगिक मानकों और बुनियादी ढाँचे को मज़बूत करने के लिए हमारे योगदान का प्रमाण है।÷ एनएमडीसी स्टील लिमिटेड 3.0 एमटीपीए की क्षमता के साथ प्रचालन करता है और इस्पात क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय दलों को डिजिटल वाउचर आवंटित किए

पीआईबी

निर्वाचन आयोग ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 39ए के तहत बिहार विधान सभा के आम चुनाव, 2025 के लिए दूरदर्शन और आकाशवाणी (एआईआर) पर राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को प्रचार-प्रसार के लिए समय आवंटित करने के निर्देश जारी किए हैं। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए सभी राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों को आईटी प्लेटफॉर्म के माध्यम से डिजिटल टाइम वाउचर जारी किए गए हैं। प्रसारण/टेलीकास्ट की अवधि प्रत्येक चरण में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की सूची के प्रकाशन की तिथि से लेकर बिहार में मतदान की तिथि से दो दिन पहले तक निर्धारित की जाएगी। वास्तविक प्रसारण/ टेलीकास्ट पार्टियों के अधिकृत प्रतिनिधियों और मुख्य निर्वाचन अधिकारी, बिहार के कार्यालय के अधिकारियों की उपस्थिति में लॉटरी के माध्यम से पहले से निर्धारित किया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत, दूरदर्शन और आकाशवाणी दोनों पर 45 मिनट के आधार समय की निःशुल्क प्रसारण और टेलीकास्टिंग सुविधाएं आवंटित की गई हैं, जो राज्य के भीतर क्षेत्रीय नेटवर्क पर समान रूप से उपलब्ध कराई जाएंगी।

आयुर्वेद आहार सूची स्टार्टअप्स को सशक्त बनाएगी और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से निपटेगी : सचिव

मंत्रालय और एफएसएसएआई ने आयुर्वेद-आधारित पोषण को बढ़ावा देने के लिए सहयोगात्मक प्रयासों को आगे बढ़ाया

पीआईबी

विश्व खाद्य दिवस 2025 ÷बेहतर भोजन और बेहतर भविष्य के लिए हाथ मिलाना÷ थीम के तहत मनाया जा रहा है और ऐसे समय में आयुष मंत्रालय 'आयुर्वेद आहार' जैसी अभूतपूर्व पहलों के माध्यम से एक स्वस्थ और अधिक टिकाऊ पृथ्?वी को बढ़ावा देने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहरा रहा है। 'आयुर्वेद आहार' यानी भारत का अनूठा खाद्य दर्शन जो संतुलन, कल्याण और प्रकृति में निहित है।

भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफ एस एसएआई) ने आयुष मंत्रालय के परामर्श से, हाल ही में श्रेणी 'ए' के अंतर्गत आयुर्वेद आहार उत्पादों की एक सूची जारी की है जो प्रामाणिक आयुर्वेदिक आहार तैयारियों के लिए पहला व्?यापक संदर्भ ढांचा प्रदान करती है। प्रामाणिक शास्त्रीय ग्रंथों पर आधारित इस सूची से आयुर्वेद-आधारित पोषण में वृद्धि, गुणवत्ता और वैश्विक विश्वास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने आयुर्वेद आहार के महत्व पर कहा कि इस वर्ष के विश्व खाद्य दिवस का विषय भारत के पारंपरिक ज्ञान से गहराई से मेल खाता है। आयुर्वेद आहार केवल भोजन नहीं है, यह एक ऐसा दर्शन है जो स्वास्थ्य, स्थिरता और प्रकृति के प्रति करुणा को जोड़ता है। एफएसएसएआई के साथ अपने सहयोग के माध्यम से, हमारा लक्ष्य आयुर्वेद आहार को वैश्विक पोषण का एक अभिन्न अंग बनाना है और यह सुनिश्चित करना है कि बेहतर खाद्य पदार्थ एक बेहतर, रोगमुक्त भविष्य का निर्माण करें। एफ एसएसएआई द्वारा अधिसूचित आयुर्वेद आहार नियम, भारत के पारंपरिक स्वास्थ्य ज्ञान को आधुनिक खाद्य सुरक्षा मानकों के साथ एकीकृत करने में नए मानक स्थापित कर रहे हैं। इसी आधार पर, अंतिम उत्पाद सूची जारी करने से यह सुनिश्चित होता है कि उपभोक्ताओं और खाद्य व्यवसायों, दोनों के पास शास्त्रीय आयुर्वेदिक ज्ञान पर आधारित स्पष्ट और प्रमाणित संदर्भ उपलब्ध हों।

आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि आयुर्वेद-आधारित खाद्य प्रणालियों में बढ़ती वैश्विक रुचि समग्र पोषण में भारत के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करती है। आयुर्वेद आहार ढांचा, जो अब निश्चित सूची द्वारा सुदृढ़ हुआ है, निर्माताओं के लिए स्पष्टता और उपभोक्ताओं में विश्वास लाता है। हम इसे स्वास्थ्यवर्धक खाद्य क्षेत्र में स्टार्टअप्स और नवाचार के लिए एक बड़े प्रोत्साहन के रूप में देखते हैं जहां आयुर्वेद का ज्ञान आहार और जीवनशैली से संबंधित विकारों की बढ़ती प्रवृत्ति को रोकने में मदद कर सकता है जो गैर-संचारी रोगों का कारण बनते हैं। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए), जयपुर के प्रोफेसर अनुपम श्रीवास्तव ने इस पहल के वैज्ञानिक और शैक्षिक आयाम पर कहा कि आयुर्वेदिक आहार सिद्धांतों को मुख्यधारा की पोषण नीति में शामिल करके, भारत दुनिया को दिखा रहा है कि कैसे पारंपरिक ज्ञान स्थायी और सचेतन आहार पद्धतियों का मार्गदर्शन कर सकता है। आयुष और एफएसएसएआई के बीच सहयोग बेहतर भोजन और बेहतर भविष्य के लिए 'हाथ से हाथ मिलाकर' काम करने का एक उदाहरण है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)
दूरभाष – 0788–2210876

दुर्ग, दिनांक 10.10.2025

(ई–प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)
(प्रथम आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 30.10.2025 तक आमंत्रित की जाती है:–

निविदा आमंत्रण सू.क.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
237/दुर्ग(दुर्ग)/2025	उपसंभाग क्रं. 01 एवं 03 दुर्ग के अंतर्गत विभिन्न समय–समय पर स्वीकृत मार्गो में विशेष मरम्मत कार्य हेतु जोनल एजेन्सी	95.79
238/दुर्ग(दुर्ग)/2025	उपसंभाग क्रं. 03 दुर्ग के अंतर्गत व समय–समय पर स्वीकृत विभिन्न मार्गो में विशेष मरम्मत एवं एफ.डी.आर. कार्य हेतु जोनल एजेन्सी	175.42
239/दुर्ग(दुर्ग)/2025	उपसंभाग क्रं. 03 दुर्ग के समय–समय पर स्वीकृत नेहरू नगर चौक से मिनीमाता चौकमार्ग के मलवीय नगर चौक में रिटेरिंगवाल विशेष मरम्मत कार्य हेतु जोनल एजेन्सी	106.15
240/दुर्ग(दुर्ग)/2025	उपसंभाग पाटन के अंतर्गत समय–समय पर स्वीकृत विभिन्न पुलियों में विशेष मरम्मत कार्य हेतु जोनल एजेन्सी	49.18
241/दुर्ग(बेमेतरा)/2025	उपसंभाग बेमेतरा के अंतर्गत समय–समय पर स्वीकृत पाहंदा बडगांव खुडमुडा रोड कि.मी. 03/10(100 मी.), कि.मी. 4/2(80 मी.), कि.मी. 4/4(90 मी.) में विशेष मरम्मत कार्य हेतु जोनल एजेन्सी	19.70
242/दुर्ग(बेमेतरा)/2025	संभाग बेमेतरा (उपसंभाग बेमेतरा–नवागढ–साजा) के अंतर्गत समय–समय पर स्वीकृत विभिन्न मार्गो में विशेष मरम्मत कार्य हेतु जोनल एजेन्सी	88.40
243/दुर्ग(मो.मान.अं. चौकी)/2025	उपसंभाग मोहला–मानपुर के अंतर्गत समय–समय पर स्वीकृत विभिन्न मार्गो में बाढ क्षतिग्रस्त मरम्मत कार्य हेतु जोनल एजेन्सी	115.00
244/दुर्ग(मो.मान.अं. चौकी)/2025	उपसंभाग मोहला–मानपुर एवं अं. चौकी के अंतर्गत समय–समय पर स्वीकृत विभिन्न मार्गो में विशेष मरम्मत एवं एफ.डी.आर. कार्य हेतु जोनल एजेन्सी	114.98
245/दुर्ग(खैरागढ)/2025	उपसंभाग खैरागढ के अंतर्गत समय–समय पर स्वीकृत विभिन्न मार्गो में एफ.डी.आर कार्य हेतु जोनल एजेन्सी	120.00
246/दुर्ग(खैरागढ)/2025	उपसंभाग खैरागढ एवं छुईखदान के अंतर्गत समय–समय पर स्वीकृत विभिन्न मार्गो में विशेष मरम्मत कार्य हेतु जोनल एजेन्सी	91.00
247/दुर्ग(खैरागढ)/2025	उपसंभाग खैरागढ एवं छुईखदान के अंतर्गत समय–समय पर स्वीकृत विभिन्न मार्गो में सडक सुरक्षा कार्य एवं एफ.डी.आर. कार्य हेतु जोनल एजेन्सी	180.33

टीप
1. उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई–प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है ।
2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें ।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग

G-252604235/5

भारत के पूर्व राष्ट्रपति ने नई दिल्ली में एनएचआरसी के 32वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित किया

पीआईबी

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी), भारत ने आज विज्ञान भवन, नई दिल्ली में अपने 32वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 'जेल के कैदियों के मानवाधिकार' पर एक समारोह और राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। आयोग की स्थापना 12 अक्टूबर 1993 को हुई थी। समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में भारत के पूर्व राष्ट्रपति, श्री राम नाथ कोविंद ने कहा कि मानवाधिकारों की आधुनिक व्याख्या से बहुत पहले, हमारे ऋषियों और शास्त्रों ने धर्म की रक्षा, करुणा से कार्य करने और न्याय सुनिश्चित करने के कर्तव्य की बात की थी। यह स्थायी नैतिक आधार आज भी हमारा मार्गदर्शन करता है। यह हमें याद दिलाता है कि मानवाधिकारों की सुरक्षा न केवल एक कानूनी दायित्व है, बल्कि एक आध्यात्मिक और नैतिक अनिवार्यता भी है, जो भारतीय जीवन शैली का अभिन्न अंग है।

श्री कोविंद ने कहा कि भारत ने मानवाधिकारों का एक मज़बूत और व्यापक ढाँचा तैयार किया है। वर्ष 1993 में अपनी स्थापना के बाद से, भारत का राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग दुनिया के सबसे सम्मानित मानवाधिकार संस्थानों में से एक के रूप में विकसित हुआ है। इसका 32वाँ स्थापना दिवस मनाना सिर्फ़ एक संस्थागत उपलब्धि ही नहीं बल्कि यह हमारे संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के शाश्वत मूल्यों के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता की पुष्टि करने समय है। उन्होंने कहा कि अपनी जाँच-पड़ताल, परामर्श, हस्तक्षेप और वकालत के माध्यम से, आयोग ने बेज़ुबानों को आवाज़ दी है और मानवाधिकारों की चिंताओं को शासन के केंद्र में लाया है। इसने भारत के सभ्यतागत लोकाचार की पुष्टि की है कि किसी समाज का सही मापदंड यह है कि वह अपने सबसे कमज़ोर सदस्य के साथ कैसा व्यवहार करता है।

महन्त लाल दास कला एवं विज्ञान महाविद्यालय शिवरीनारायण में प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह

प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं का स्वागत समारोह आयोजित

जांजगीर चांपा /

श्री महन्त लाल दास कला एवं विज्ञान महाविद्यालय शिवरीनारायण में प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर किरण गजपाल प्राचार्य शासकीय दूधाधारी बजरंगदास स्वशासी स्नाकोत्तर महाविद्यालय रायपुर थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री महन्त लाल दास शिक्षण समिति के अध्यक्ष राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज ने की, विशिष्ट अतिथि के रूप में रायपुर से डॉ प्रीति कंसारा उपस्थित हुई। अतिथियों ने शिवरीनारायण पहुंचकर सबसे पहले भगवान नर -नारायण जी का एवं मठ मंदिर में दर्शन पूजन किया तत्पश्चात कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित हुए। महाविद्यालय परिवार के द्वारा स्वागत किया गया, कार्यक्रम का शुभारंभ माता सरस्वती के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलन के द्वारा हुआ। महाविद्यालय की छात्र-छात्राओं ने सरस्वती वंदना, स्वागत गान एवं सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्र -छात्राओं को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि - मैं आज बहुत अभिभूत हूं जिस संस्था के द्वारा मेरे महाविद्यालय का संचालन होता है उन्हीं से संबद्ध संस्थान के द्वारा यह महाविद्यालय संचालित है। हमारा विद्यालय प्रदेश का सबसे बड़ा महिला महाविद्यालय है। मेरे मन में यह कल्पना भी नहीं थी कि शिवरीनारायण में भी इतना बड़ा महाविद्यालय हो सकता है! उन्होंने नव प्रवेशी छात्र-छात्राओं को अपने संदेश में कहा कि- बच्चों यदि आपको अपना भविष्य बनाना है तो जीवन में केवल मेहनत, मेहनत और मेहनत ही करना सीखना चाहिए। कार्यक्रम के अध्यक्ष राजेश्री महन्त जी महाराज ने अपना अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं के सम्मान में इस विद्यालय के वरिष्ठ छात्र-छात्राओं ने यह कार्यक्रम आयोजित किया है इस कार्यक्रम में डॉ गजपाल मैडम की गरिमामय उपस्थिति से हम सभी काफी अह्लादीत हैं। उनके अनुभव का लाभ यहां के छात्र-छात्राओं को प्राप्त होगा। यह हम सभी के लिए गौरव का विषय है। लोगों को कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि ने भी संबोधित किया। आभार डॉक्टर पीएस चौधरी ने व्यक्त की। कार्यक्रम में विशेष रूप से रूप से डॉक्टर कल्पना मिश्रा, ऋतु भारवा, रागिनी पांडे, स्वप्निल कुर्महे, आकांक्षा गजपाल, तथा निरंजन अग्रवाल, ओमप्रकाश सुल्तानिया, योगेश शर्मा, उदय राम केवट, सुबोध शुक्ला, बसंत देवांगन अशोक शर्मा, रामचरण कर्ष,

प्राचार्य कश्यप जी एवं पटेल जी, गोपाल केवट, मीडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव एवं हर्ष दुबे सहित लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

नहर में डूबे कार सवारियों की जान बचाने वाले वीर युवकों को पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय ने किया सम्मानित......

समाजसेवी मनोज अग्रवाल सहित सात लोगों को किया गया सम्मानित........

जांजगीर-चांपा।

जिले में घटित एक हृदयविदारक घटना में मानवता और साहस का परिचय देने वाले सात युवकों को पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय (IPS) ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। घटना नवरात्रि पर्व के दौरान मुख्य नहर नहरिया बाबा मंदिर के पास की है, जहां एक कार अनियंत्रित होकर नहर के पानी में जा गिरी थी। इस कार में कुल 5 व्यक्ति सवार थे, जो अचानक हुई इस दुर्घटना के कारण पानी में डूबने लगे।

मौके पर मौजूद स्थानीय युवकों ने बिना किसी झिझक के अपनी जान जोखिम में डालते हुए नहर में छलांग लगाई और कार सवारों को बाहर निकालने में सफलता प्राप्त की। उनकी सूझबूझ और बहादुरी से बड़ी दुर्घटना टल गई और कई जिंदगियाँ बच गईं। जान बचाने वाले साहसी व्यक्ति समाजसेवी एवं पूर्व एल्डरमैन मनोज कालू अग्रवाल अग्रसेन चौक नैला, हीरा कश्यप, बीड़ी महंत, उप नगर जांजगीर , हरेंद्र कश्यप, बीड़ी महंत, उप नगर जांजगीर, कमल राठौर, अमित राठौर, हर्ष तिवारी ,सुमित राठौर ,कमल राठौर ने तत्परता, साहस और मानवता का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया।

कार सवार व्यक्ति का नाम –

संजय कुमार शांडिल्य, निवासी केनाल सिटी जांजगीर – जो स्वयं कार में फंसे हुए थे। उन्होंने बचाव के दौरान अत्यंत धैर्य और संयम का परिचय दिया, जिसके कारण रेस्क्यू टीम को भी सहयोग मिला।पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय (IPS) ने इन सभी व्यक्तियों के साहस की सराहना करते हुए कहा कि – ÷इन युवकों ने न केवल मानवता की मिसाल पेश की है बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा बन गए हैं। ऐसे साहसी नागरिक समाज की असली पूंजी हैं।÷ इस अवसर पर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी उपस्थित रहे। सम्मान समारोह में उपस्थित लोगों ने इन वीर नागरिकों को जोरदार तालियों से सम्मानित किया।

विधायक शेषराज ने किए राम कथा श्रवण

पामगढ़ / विधायक शेषराज हरवंश ने ग्राम डोंगाकोहरौद की अखंड नवधा रामायण में पहुंचकर रामकथा श्रवण किए । इस दौरान उन्होंने भगवान श्री राम की पूजा अर्चना कर क्षेत्र की खुशहाली के लिए कामना की वहीं उन्होंने मानस समिति एवं ग्रामवासीयों की मांग पर सामुदायिक मंच बनाए जाने की घोषणा की । इस अवसर पर देवकुमार पाण्डेय जिलाध्यक्ष कांग्रेस सेवादल , नीरज खूंटे जिलाध्यक्ष राजीव गांधी पंचायती राज , गांव के कांग्रेस कार्यकर्त्ता घनश्याम साहु , होरीलाल कश्यप , दशरथ धीवर, जोहन पटवा , रामलाल धीवर , पत्रकार राजकुमार श्रीवास , अखंड नवधा रामायण समिती के अध्यक्ष पीएल कौशिक , अश्वनी श्रीवास सहित बड़ी संख्या में मानस प्रेमी उपस्थित थे ।

रजत महोत्सव पर ग्राम पंचायत सितली में आयोजन

कोंडागांव, । ग्राम पंचायत सितली जनपद पंचायत कोंडागांव में 'त्रिस्तरीय पंचायत पदाधिकारियों का सम्मलेन एवं कार्यशाला और छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें कोंडागांव विधान सभा विधायक बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लता उसेंडी मुख्य आर्थिक रूप में शामिल हुई। कार्यक्रम में मनरेगा हितग्राही का ई केवायसी एवं बस्तर ओलम्पिक के लिए खिलाड़ियों का पंजीयन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य नंदकुमार राठौर, जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व पंचायतों के जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक में दिए कड़े निर्देश, कहा हर घर तक पहुंचे पानी

जल प्रदाय योजनाओ का हो शत प्रतिशत संचालन - कलेक्टर महोबे

जांजगीर-चांपा / मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप जिले में नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए है, और कहा है कि शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में पेयजल उपलब्धता में किसी प्रकार की समस्या न हो। कलेक्टर एवं अध्यक्ष जल जीवन मिशन श्री जन्मेजय महोबे ने आज जिले में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित जल प्रदाय योजनाओं की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, कार्यपालन अभियंता श्री आदित्य प्रताप सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जल जीवन मिशन योजना के तहत् जिन गांवों का कार्य पूर्ण हो गया है उनमें हर घर जल अभियान के तहत नियमित रूप से पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जिले के हर घर जल के तहत सभी 135 प्रमाणीकृत गांवों में शत प्रतिशत जल उपलब्धता के सुचारू रूप से संचालित करने के सख्त निर्देश दिए। कलेक्टर ने जल जीवन मिशन योजना के तहत् कार्य निर्धारित मापदंड, गुणवत्ता के साथ एवं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने योजना के क्रियान्वयन में आने वाली बिजली की समस्या के संबंध में संबंधित को प्रगति प्रतिवेदन देने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में प्रगतिरत समूह जल प्रदाय योजना की समीक्षा करते हुए समय पर कार्य पूर्ण कराये जाने में आ रही समस्याओं का निराकरण शीघ्र कराये जाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों से प्रत्येक योजना की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और निर्देशित किया कि ग्राम पंचायतों को मिशन के संचालन की जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से दी जाए। उन्होंने कहा कि राज्योत्सव से पहले सभी जल प्रदाय योजनाओं को पूरी तरह से चालू किया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध और नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। इसके माध्यम से सभी पात्र घरों में जल उपलब्धता की गारंटी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन शासन की प्राथमिक योजना है, और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्ध क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देने को कहा, साथ ही प्रतिदिन की प्रगति की मॉनिटरिंग के निर्देश भी दिए।

शराब पीने पैसा मांगने के पांच आरोपियों को बलौदा पुलिस ने पकड़कर भेजा जेल

जांजगीर चांपा / शराब पीने के लिए पैसा की मांग कर गाली गलौज के पांच आरोपियों को बलौदा पुलिस ने पकड़कर जेल भेज दिया है ।

मामले का विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी भागवत प्रसाद राठौर निवासी घघरा थाना खरसिया द्वारा थाना बलौदा में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह पाण्डेय रोड लाईन्स में सुपरवाईजर के पद पर करता है । दिनांक 7 अगस्त 2025 को शाम 7 बजे ड्रायवरों को खर्चा देने के लिए बिरगहनी महावीर कोलवासरी गया था प्रार्थी खर्चा देने के लिए ड्रायवरों को फोन से दी खर्चा लेलो महावीर कोलवासरी के बाहर खडा हूॅ। वहीं पर खडे नवीन रात्रे, रमन, सांडे एवं उनके अन्य साथी एवं उनके सहयोगी वही पर खडे थे कुछ देर में वह सभी लोग एकजुट होकर दारू पीने के लिए पैसा मांगने लगे मना करने पर गंदी गंदी गाली गलौज कर हाथ मुक्का से मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने लगे प्रार्थी कि रिपोर्ट पर थाना बलौदा में अपराध क्रमांक 325/25 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना दौरान आरोपीयों का पतासाजी कर उनके सकुनत से पकड़ा जिसको हिरासत में लेकर घटना के संबंध में पुछताछ करने पर प्रार्थी से पैसे की मांग करना नही देने पर मारपीट करना जुर्म स्वीकार किये जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। गिरफ्तार आरोपियों में नवीन रात्रे उम्र 25 साल , रमन सांडे उम्र 20 वर्ष, सत्येन्द्र जोशी उम्र 19 वर्ष, करूपाल सांडे उम्र 26 वर्ष, अजीत कुमार पाटले उम्र 26 वर्ष सभी निवासी बिरगहनी थाना बलौदा जिला जांजगीर चांपा शामिल है। उपरोक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी बलौदा निरीक्षक राजीव श्रीवास्तव, सउनि कौशल सिदार प्र.आर. गजाधर पाटनवार एवं थाना बलौदा स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में सीपीआर जागरूकता कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न

राजनांदगांव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रारंभ राष्ट्रव्यापी सीपीआर जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगांव में आज एक विशेष सीपीआर जागरूकता एवं जीवनशैली सुधार कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य श्रीमती निर्मला उमरे , जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष रवि सिन्हा एवं सदस्य नमिताब जैन,भागचंद गिड़िया,राजेश यादव,आशीष सुरे शिक्षकगण, स्टाफ तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की।

कार्यक्रम के दौरान भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, राजनांदगांव के विशेषज्ञ वक्ता डॉ. अतुल मनोहर देशकर (मेडिकल सुपरिटेंडेंट) एवं डॉ. प्रकाश खूंटे (एसोसिएट प्रोफेसर, मेडिसिन विभाग) ने सीपीआर तकनीक की महत्ता पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी तथा केवल-संपीड़न सीपीआर का लाइव प्रदर्शन प्रस्तुत किया। छात्र-छात्राओं को कार्डियक अरेस्ट की पहचान, त्वरित सहायता के सही कदम एवं प्राथमिक उपचार की मूल बातें व्यावहारिक रूप से सिखाई गईं।

साथ ही ÷नींद, आहार और योग के माध्यम से जीवनशैली में बदलाव,स्वस्थ और खुशहाल जीवन की ओर÷ विषय पर जानकारीपूर्ण सत्र आयोजित किया गया। प्राचार्य श्रीमती निर्मला उमरे ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से युवाओं में आपातकालीन स्थितियों में जीवन बचाने की जागरूकता बढ़ेगी। जनभागीदारी समिति अध्यक्ष रवि सिन्हा ने कहा कि यह पहल स्वस्थ समाज की दिशा में महाविद्यालय का सराहनीय प्रयास है।

वैध कच्ची महुआ शराब बनाकर बिक्री करने वालों के विरुद्ध पुलिस की छापेमार

100 बोरी महुआ लहान मिलने से मौके पर ही पुलिस टीम द्वारा किया गया नष्ट

जांजगीर चांपा / अवैध कच्ची महुआ शराब के खिलाफ पुलिस ने छापेमार कार्यवाही करते हुए 100 बोरी महुआ लहान मौके पर ही नष्ट किया है । पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में जिले में अवैध शराब बिक्री पर अंकुश लाने के लिए जिला पुलिस जांजगीर द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है । इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में एवं एसडीओपी चांपा यदुमणि सिदार के नेतृत्व में थाना बम्हनीडीह क्षेत्र के ग्राम गोमदा एवं थाना बिर्रा क्षेत्र के ग्राम करनौद में अवैध शराब बिक्री करने वाले के विरुद्ध छापेमार कार्यवाही किया गया जिसमें लावारिस हालात में 100 बोरी महुआ लहान मिलने से मौके पर नष्ट किया गया एवं शराब बनाने में उपयोग करने वाला तबेला मिला जिसको जप्त किया गया।

आबकारी विभाग की नही पड़ रही नजर – दुसरी तरफऐसे मामलो में गौर किया जय तो कच्ची शराब निमार्ण पर रोक लगाने के लिए जिम्मेदार विभाग आबकारी विभाग की कार्यवाही नही के बराबर है जिसके कारण जिले की गांव गांव में महुआ शराब की बाजार जोरों से फल फुल रहा है।

जोन क्षेत्र अंतर्गत दीपावली पर्व के पूर्व, दौरान एवं पष्चात स्वच्छता कार्यो की निरंतर मॉनिटरिंग करेंगे

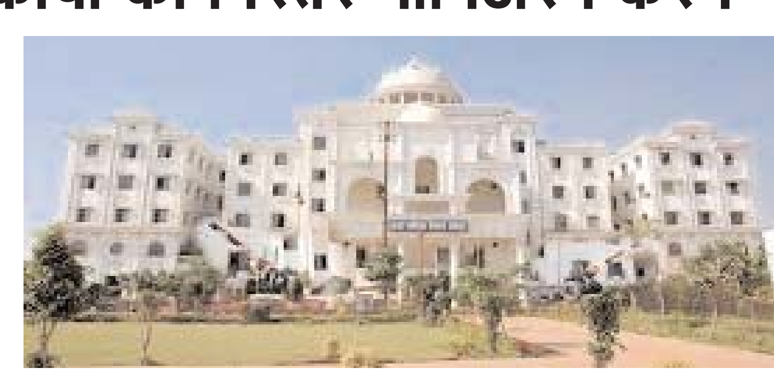

लोकशक्ति।

रायपुर - दीपावली पर्व 2025 के दौरान शहर में अधिक मात्रा में कचरे के फैलाव की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए नगर की स्वच्छता व्यवस्था और स्ट्रीट लाईट से संबंधित व्यवस्था को सुदृढ और व्यवस्थित बनाये रखने जोन अंतर्गत जोन कमिष्नर को नोडल अधिकारी और जोन स्वास्थ्य अधिकारी को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

महापौर श्रीमती मीनल चैबे और आयुक्त श्री विष्वदीप के निर्देष पर नगर निगम स्वास्थ्य विभाग की ओर से नगर निगम अपर आयुक्त श्री विनोद पाण्डेय ने आदेष जारी कर जोन 1 में जोन कमिष्नर श्रीमती दिव्या चंद्रवंषी मो. नं. 9406054980 नोडल अधिकारी एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री खेमलाल देवांगन मो. नं. 9131091745 सहायक नोडल अधिकारी, जोन 2 में जोन कमिष्नर डॉ. आर.के. डोंगरे मो. नं. 9301953221 नोडल अधिकारी एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री रवि लावनिया मो. नं. 7247753287 सहायक नोडल अधिकारी, जोन 3 में जोन कमिष्नर श्रीमती प्रीति सिंह मो. नं. 8319517473 नोडल अधिकारी एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री पुरन तांडी मो. नं. 7898078333 सहायक नोडल अधिकारी, जोन 4 में जोन कमिष्नर श्री अरूण ध्रुव मो. नं. 9424238392 नोडल अधिकारी एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री विरेन्द्र चंद्राकर मो. नं. 9301999406 सहायक नोडल अधिकारी, जोन 5 में जोन कमिष्नर श्री खीरसागर नायक मो. नं. 9406050199 नोडल अधिकारी एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री संदीप वर्मा मो. नं. 9826191913 सहायक नोडल अधिकारी, जोन 6 में जोन कमिष्नर श्री हितेन्द्र यादव मो. नं. 8253087778 नोडल अधिकारी एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री आदिव्य हजारी मो. नं. 7776043334 सहायक नोडल अधिकारी, जोन 7 में जोन कमिष्नर श्री राकेष शर्मा मो. नं. 9009807374 नोडल अधिकारी एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री आत्मानंद साहू मो. नं. 9300226432 सहायक नोडल अधिकारी, जोन 8 में जोन कमिष्नर श्रीमती राजेष्वरी पटेल मो. नं. 9238343470 नोडल अधिकारी एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री गोपीचंद देवांगन मो. नं. 9302382979 सहायक नोडल अधिकारी, जोन 9 में कार्यपालन अभियंता श्री शरदचंद्र ध्रुव मो. नं. 7898844336 एवं कार्यपालन अभियंता श्री अंषुल शर्मा सीनियर मो. नं. 9301953239 नोडल अधिकारी एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री बारोन कुमार बंजारे मो. नं. 9244005711 सहायक नोडल अधिकारी, जोन 10 में जोन कमिष्नर श्री विवेकानंद दुबे मो. नं. 9425514831 नोडल अधिकारी एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री अमित बेहरा मो. नं. 7370003255 सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किये गये है। आदेषित किया गया है कि सभी नोडल अधिकारी और सहायक नोडल अधिकारी अपने जोन क्षेत्र के अंतर्गत दीपावली पर्व के पूर्व दौरान और पष्चात स्वच्छता कार्यो की निरंतर मॉनिटरिंग करेंगे।

क्षेत्र में किसी भी प्रकार का कचरा फैलाव पाये जाने पर तत्काल कार्यवाही की जायेगी, कचरा संकलन हेतु वाहनो और श्रमिको की तैनाती सुनिष्चित की जायेगी, अपने -अपने जोन क्षेत्र में जगह- जगह पर्याप्त संख्या में डस्टबीन, कंटेनर रखवाया जाये। प्राथमिकता के आधार पर आदेष का पालन किये जाने कहा गया है।

आदेश के अनुसार नोडल अधिकारी व सहायक नोडल अधिकारी से समन्वय स्थापित नहीं होने की स्थिति में स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही मो. नं. 9691285715, सहायक अभियंता स्वच्छ भारत मिषन शाखा श्री योगेष कडु मो. नं. 9425213321, स्वच्छता निरीक्षक श्री गिरीजेष कुमार तिवारी मो. नं. 9752614001 एवं उपअभियंता श्री संस्कार शर्मा मो. नं. 8871205041 तथा स्ट्रीट लाईट से संबंधित व्यवस्था हेतु कार्यपालन अभियंता विद्युत श्री संदीप शर्मा मो. नं. 7898810000 और उपअभियंता श्रीमती प्रेरणा अग्रवाल मो. नं. 830506414 से संपर्क किया जा सकेगा।

खास खबर

स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी सेवा संवर्ग की पदक्रम सूची जारी

कोरबा कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोरबा द्वारा जिले के अतर्गत स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी सेवा संवर्ग की 01 अप्रैल 2025 की स्थिती में अन्तिम पदक्रम सूची जारी किया गया है ।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन. केशरी ने कहा है कि समस्त चतुर्थ सेवा संवर्ग में कार्यरत कर्मचारी अपने डीडीओ कार्यालय या कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोरबा के स्थापना चतुर्थ श्रेणी शाखा में उपस्थित होकर उक्त सूची का अवलोकन कर सकते हैं।

चोरी की दो बड़ी वारदातें, कोरियर कंपनी और सुतर्रा गांव के घर से लाखों की चोरी

कोरबा जिले में चोरों ने एक के बाद एक चोरी की दो वारदातों को अंजाम दिया है। पहले कोरियर कंपनी के ऑफिस से तिजोरी तोड़कर लाखों रुपए की नकदी चोरी हुई, वहीं सुतर्रा गांव में एक वनकर्मी के खाली पड़े घर से भी कीमती जेवरात चोरी हो गए। यह घटना कटघोरा थाना क्षेत्र की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, चोरी की पहली घटना जेंजरा के पास स्थित डेल्हीवेरी कोरियर कंपनी में हुई। यहां चोरों ने कोरियर कंपनी को अपना निशाना बनाया। रात के अंधेरे का फायदा उठाकर चोर कार्यालय में घुसे और तिजोरी तोड़कर 1,17,000 रुपए नगद चुरा ले गए। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस सीसीटीवी की जांच कर रही है।

बालको ने रन फॉर जीरो हंगर में चौथी बार दिया सबसे अधिक पोषणयुक्त मील का योगदान

कोरबा । वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट टीम भावना और सामाजिक प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए वीडीएचएम 'रन फॉर जीरो हंगर' चैलेंज 2025 का खिताब जीत लिया। इस वर्ष बालको ने लगातार चैथी बार यह ट्रॉफी अपने नाम की, जिससे समूह के भीतर बालको की फिटनेस, एकता और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति समर्पण की भावना पुनः प्रदर्शित हुई। 12 अक्टूबर तक चले इस अभियान में बालको ने कुल 15,93,142 किलोमीटर की दूरी तय की। वेदांता समूह की सभी व्यावसायिक इकाइयों में बालको इस वर्ष भी शीर्ष स्थान पर रहा। दिल्ली में आयोजित भव्य समापन समारोह में बालको को ट्रॉफी प्रदान की गई। वेदांता समूह के 'रन फॉर जीरो हंगर' अभियान का उद्देश्य है कर्मचारियों द्वारा तय किए गए प्रत्येक किलोमीटर के बदले जरूरतमंद बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना। इस वर्ष वेदांता समूह ने तय 5 मिलियन किलोमीटर के लक्ष्य को हासिल किया। लगभग दो महीनों तक चले इस अभियान में बालको के कर्मचारियों, उनके परिवारजनों, व्यावसायिक साझेदारों और समुदाय के सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सवः आयुष विभाग की 25 वर्षों की स्वर्णिम यात्रा

परंपरा से प्रगति तक – जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में आयुष ने गढ़ी नई पहचान

कोरबा

छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर, रजत महोत्सव 2025 की धूम पूरे प्रदेश में देखने को मिल रही है। यह सिर्फ राज्य की राजनीतिक या प्रशासनिक उपलब्धियों का उत्सव नहीं है, बल्कि यह उन सभी क्षेत्रों का उत्सव है, जिन्होंने छत्तीसगढ़ को स्वास्थ्य, शिक्षा, विकास और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में मजबूत बनाया है। इस गौरवशाली यात्रा में आयुष विभाग ने भी अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

आयुष, जो कि आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी और सिद्ध जैसी पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों का संगम है, ने पिछले 25 वर्षों में न केवल अपने स्वरूप में व्यापक बदलाव देखा है, बल्कि यह जन स्वास्थ्य का एक महत्वपूर्ण स्तंभ भी बन गया है। कोरबा जिले में आयुष विभाग की यात्रा इसकी सबसे चमकदार मिसाल है, जहाँ वर्ष 2000 में सीमित संसाधन और छोटे स्तर की व्यवस्थाओं से आज आधुनिक सुविधाओं और विशेषज्ञों तक का सशक्त नेटवर्क विकसित हो चुका है।

25 वर्षों का परिवर्तनः वर्ष 2000 से 2025 वर्ष 2000 में कोरबा जिले में आयुष स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति अत्यंत सीमित थी। उस समय केवल 27 स्वास्थ्य केंद्र संचालित थे और किसी भी केंद्र में बेड की सुविधा उपलब्ध नहीं थी। डॉक्टरों और फार्मासिस्टों की संख्या भी बहुत कम थी डॉक्टर केवल 27 और फार्मासिस्ट 27 थे। आज 25 वर्षों के अथक प्रयासों और योजनाओं के परिणामस्वरूप कोरबा जिले में आयुष स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या बढ़कर 69 पहुँच चुकी है। प्रत्येक संस्था में अब औसतन 10 बेड की सुविधा उपलब्ध है। डॉक्टरों की संख्या 82 हो गई है जबकि फार्मासिस्टों की संख्या बढ़कर 46 हो गई है।

आधुनिक अवसंरचना और विशेषज्ञ सेवाओं का विस्तार आयुष विभाग ने अपनी परंपरागत पहचान बनाए रखते हुए आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में कई ठोस कदम उठाए हैं। आयुष्मान आरोग्य मंदिर की स्थापना और अपग्रेडेशन इसके प्रमुख उदाहरण हैं। वर्ष 2021-22 में 5 शासकीय आयुर्वेद औषधालय उरगा, रज़गामार, जवाली, मदनपुर और छुरीकला को आयुष्मान आरोग्य मंदिर में अपग्रेड किया गया। वर्ष 2022-23 में 15 अन्य औषधालयों को इसी श्रेणी में अपग्रेड किया गया जिसमें कनकी, बरपाली, सोहागपुर, सुखरीकला, भिलाई बाजार, कटघोरा, चैतमा, पिपरिया, कोरबी, पाढ़ीमार, परसदा, बोईदा, बेहरचुआ, तीवरता, नोनबिर्रा शामिल है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2022-23 में 05 आयुष केंद्रों को आयुष ग्राम के रूप में उन्नत किया गया, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में समग्र स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच और गुणवत्ता सुनिश्चित हुई।

गुणवत्ता और मान्यताः

एनएबीएच सर्टिफिकेशन, कायाकल्प और राज्य पुरस्कार आयुष विभाग की प्राथमिकता केवल संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं रही। गुणवत्ता और मानक सुनिश्चित करना भी इसी यात्रा का हिस्सा रहा है। वर्ष 2022 में शासकीय आयुर्वेद औषधालय बरपाली को एनएबीएच (नेशनल एक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स एंड हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स) सर्टिफिकेशन प्राप्त हुआ। यह जिले का पहला ऐसा औषधालय है, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है। वर्ष 2022 में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेमरू ने राज्य स्तरीय आयुष कायाकल्प में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।

ग्राम, विकासखंड, जिला एवं राज्य स्तरीय करमा महोत्सव का आयोजन

कोरबा आदिम जाति विकास विभाग मंत्रालय रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य जनजाति जनसंख्या एवं उनकी विविधता की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण राज्य होने के फलस्वरूप जनजाति समुदायों द्वारा मनाये जाने वाले उत्सवों-त्यौहारों में करमा उत्सव को करमा महोत्सव-2025 मनाये जाने हेतु निर्देषित किया गया है।

जारी निर्देषानुसार ग्राम स्तर पर 01 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक, विकासखंड स्तर पर 16 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक, जिला स्तर पर 01 नवंबर से 07 नवंबर तक और राज्य स्तर पर 08 नवंबर से 15 नवंबर तक करमा महोत्सव आयोजित किये जायेंगे। करमा महोत्सव जनजातीय क्षेत्रों जनजातीय लोकनृत्य, लोकगीत एवं जनजातीय लोक महत्व पर आधारित करमा नृत्य, करमा गीत, जनजातीय लोक गायकों का प्रतिनिधित्व एवं जनजातीय समुदायों में प्रचलित परम्पराग वाद्य यंत्रों का प्रदर्षन शामिल है। प्रतिभागियों के चयन हेतु मापदण्ड

प्रत्येक ग्राम की करमा नृत्य दल का चयन ग्राम स्तर पर किया जायेगा। प्रत्येक ग्राम पंचायत केवल एक ही दल को विकासखंड स्तर के महोत्सव के लिये चयनित करेंगे। विकासखंड मुख्यालय में होने वाले प्रदर्षन के आधार पर प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले करमा नृत्य दल जिला स्तर में आयोजित होने वाले महोत्वस में अपनी प्रस्तुतीकर देंगे। जिला स्तर के प्रस्तुतीकरण में अपने जिले से प्रथम स्थान पाने वाला दल प्रदेष स्तरीय नृत्य महोत्व में अपना प्रस्तुतीकरण देंगे।

पुरस्कार जिला स्तर पर आयोजित जनजातीय करमा महोत्सव में प्रत्येक चयनित दलों को प्रथम पुरस्कार 50 हजार रूपये, द्वितीय पुरस्कार 25 हजार, तृतीय पुरस्कार 15 हजार एवं इसके अतिरिक्त जिला स्तरीय समिति द्वारा अनुषंसित नर्तक दल को 10 हजार रूपये के मान से सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। इसी प्रकार राज्य स्तर पर आयोजित करमा महोत्सव में प्रथम पुरस्कार 02 लाख रूपये, द्वितीय पुरस्कार एक लाख, तृतीय पुरस्कार 50 हजार एवं एवं इसके अतिरिक्त राज्य स्तरीय समिति द्वारा अनुषंसित नर्तक दल को 25 हजार रूपये के मान से सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया जायेगा।

माइंस रेस्क्यू कंप्टीशन में दिखाया कौशल, ऋषभ हुए पुरस्कृत

कोरबा, संवाददाता।

एसईसीएल की 54वीं इंटर एरिया माइंस रेस्क्यू कंप्टीशन का आयोजन मध्यप्रदेश के जमुना-कोतमा क्षेत्र में किया गया। कुल 11 टीमें इसमें शामिल हुईं। एसईसीएल व डीजीएमएस ने मिलकर इसका आयोजन किया। सोहागपुर क्षेत्र ने प्रतियोगिता में बाजी मारी और प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि कोरबा क्षेत्र दूसरे स्थान पर रहा। कोरबा क्षेत्र के ऋषभ सिंह को इस वर्ष पुनः एसईसीएल में सर्वश्रेष्ठ रेस्क्यू प्रशिक्षित व्यक्तिगत सम्मान मिला। माइंस रेस्क्यू कंप्टीशन में सुरक्षा, सतर्कता, तत्परता से लेकर प्रत्युत्पन्नमति के साथ निर्णय लेने की क्षमता जैसे पहलू शामिल किए गए। इस आधार पर टीमों ने प्रदर्शन किया। मुख्य निर्णायक की भूमिका विपुल बिहारी सटियार, निदेशक (खान बचाव, रायगढ़ रीजन) ने निभाई। निर्णायक मंडल में केएम थिरुपति, उप निदेशक, परासिया क्षेत्र, के. जीवन कुमार उप निदेशक, वाराणसी क्षेत्र, भुक्या भदरु उप निदेशक, बिलासपुर क्षेत्र-1, शेख गुलाब उप निदेशक, रायगढ़ क्षेत्र और चिर्रा श्रीनिवास उप निदेशक, जबलपुर क्षेत्र रहे।

जंक फूड जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कोरबा जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास विभाग, कोरबा के मार्गदर्षन में जिले में जंक फूड जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय उत्पादों/पौष्टिक खाद्य पदार्थ के उपयोग के बारे में विस्तृत रूप से जागरूक किया गया। जिसके तहत बच्चों के लिये पौष्टिक भोजन एवं स्वच्छता पर चित्रकला एवं कटपुतली नाच का आयोजन किया गया। पोषण वाटिका से संबंधित गतिविधि कराई गई। फल, सब्जी आदि से संबंधित फैंसी ड्रेस/चित्रकारी/स्थानीय स्तर पर खिलौना निर्माण गतिविधियों को प्रोत्साहित करते हुए परिवारों में पोषण संबंधित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान हेतु वजन त्यौहार का आयोजन किया गया। पौष्टिक पूरक खाद्य पदार्थो के लिये रेसिपी प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। ग्राम स्तर पर स्वच्छता एवं संतुलित भोजन पर सामुहिक प्रतिज्ञा का आयोजन किया गया,

पोषण स्वास्थ्य जागरूकता पर आधारित कार्यक्रम जैसे साइकिल रैली, प्रभात फेरी , पैदल यात्रा की गई। पोषण माह के समापन पर जनजागरूकता गतिविधि का आयोजन तथा ग्राम पंचायत स्तरीय पर पौष्टिक आहार एवं संतुलित भोजन पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई । जिसमे मोटापे के समाधान के लिये चीनी और तेल के लिये खपत को कम करने तथा स्थानीयता को बढावा देने की समझाईष दी गई।

पहाड़ी कोरवा मंझनीन बाई अब आती है अस्पताल, जिन्दगी हुई खुशहाल

अजगरबहार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अजगरबहार में है कार्यरत

कोरबा । छत्तीसगढ़ के घने जंगलों और पहाड़ों के बीच बसे कोरबा जिले से एक प्रेरक कहानी सामने आई है - यह कहानी है पहाड़ी कोरवा जनजाति समाज की श्रीमती मंझनीन बाई की, जिन्हें लोग राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र की प्रतिनिधि के रूप में जानते हैं।

कोरबा ब्लाक के ग्राम टोकाभांठा के मंझनीन बाई का जीवन संघर्षों से भरा रहा। वे एक ऐसे परिवार में पली-बढ़ीं जहाँ जंगल ही जीवन का सहारा था। वन उपज एकत्र कर ही उनका परिवार गुज़ारा करता था। शिक्षा के लिए संसाधनों की कमी थी, फिर भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और कक्षा दसवीं तक अध्ययन पूरा किया। यही पढ़ाई आगे चलकर उनके जीवन में परिवर्तन की कुंजी बनी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन कोरबा ने डीएमएफ फंड के माध्यम से विशेष पिछड़ी जनजाति के शिक्षित परिवारों को रोजगार से जोड़ने का महत्वपूर्ण कदम उठाया। इसी पहल के अंतर्गत मंझनीन बाई को ग्राम अज़गरबहार स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में मानदेय आधार पर नियुक्ति दी गई। उनके पति श्री किनारे लाल, जो स्वयं दसवीं पास हैं, को भी इसी योजना के तहत पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के हाई स्कूल एतमानगर में भृत्य के पद पर नियुक्ति मिली। अब दोनों पति-पत्नी आत्मनिर्भर हैं और अपने बच्चों व परिवार के लिए एक बेहतर भविष्य गढ़ रहे हैं। अब वह नियमित अस्पताल आती है। यहां नौकरी ने उनकी जिन्दगी में खुशहाली ला दी है। मंझनीन बाई बताती हैं -पहले हमारा जीवन बहुत कठिन था। जंगलों में वनोपज पर निर्भर रहना पड़ता था। रोज़ी-रोटी की चिंता हमेशा बनी रहती थी। लेकिन अब जब हमें नौकरी मिली है, तो जीवन में स्थिरता और सम्मान दोनों आए हैं। दो साल से काम कर रही हूँ, और अब भविष्य के प्रति विश्वास बढ़ गया है। उनके परिवार में माता-पिता, पाँच बहनें और दो भाई हैं। मंझनीन बाई अब अपने समाज के युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। उन्होंने यह साबित कर दिया कि परिस्थितियाँ चाहे जितनी भी कठिन क्यों न हों, शिक्षा और दृढ़ निश्चय से हर बाधा को पार किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि उन्हें हर माह 9000 रूपए मानदेय के रूप में मिलता है।

निगम क्षेत्र के समस्त छठ घाटों में चेजिंग रूम, लाईट, पानी व साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराएं – महापौर

महापौर संजूदेवी राजपूत ने आयुक्त आशुतोष पाण्डेय की उपस्थिति में ली निगम अधिकारियों की बैठक,

छठ पर्व व दीपावली त्यौहार से जुड़ी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित किए जाने के दिए निर्देश

कोरबा संवाददाता।

महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने निगम के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निगम क्षेत्र में स्थित समस्त छठघाटों में चेजिंग रूम, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, पेयजल व साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराएं, घाटों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके, इस दिशा में अभी से कार्यवाही करें तथा यह देखें कि श्रद्धालुओं व व्रतधारियों को छठघाटों में अनावश्यक रूप से असुविधा का सामना न करना पड़े तथा उन्हें सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुलभ हो सके।

महापौर जूदेवी राजपूत ने आयुक्त आशुतोष पाण्डेय की उपस्थिति में नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत में निगम के अधिकारियों व जोन कमिश्नरों की बैठक ली। बैठक के दौरान महापौर श्रीमती राजपूत ने अधिकारियों को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि दीपावली व छठपर्व के महत्वपूर्ण त्यौहार के दौरान निगम से जुड़ी सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर स्वरूप में सुनिश्चित कराएं। उन्होने कहा कि नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र में लगभग 36 छठघाट हैं, जहाँ छठपर्व के दौरान व्रतधारी व श्रद्धालुजन भगवान सूर्य को विधिविधान से अर्ध्य प्रदान कर पूजा अर्चना करते हैं। महापौर श्रीमती राजपूत ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि इन छठघाट स्थलों पर आवश्यकतानुसार मरम्मत व सुधार कार्य कराएं, जे.सी.बी. व अन्य संसाधनों का उपयोग कर छठघाट स्थलों की विशेष साफ-सफाई का कार्य सुनिश्चित करें, सभी छठघाटों में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था हो, छठघाट तक आने-जाने के मार्ग में भी पर्याप्त रोशनी हों, इसके लिए वहॉं पर पूर्व में स्थापित स्ट्रीट लाईटों को चेक कराएं तथा यह सुनिश्चित करें कि छठघाटों सहित आने-जाने के मार्ग में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था हो ताकि रात्रि के दौरान व्रतधारियों को किसी प्रकार की असुविधा न हों। सभी घाटों में हो चेजिंग रूम - महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत एवं आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने निगम के जोन कमिश्नरों व अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निगम क्षेत्र में स्थित सभी छठघाटों में व्रतधारियों, श्रद्धालुओं एवं विशेषकर महिला व्रतधारियों की सुविधा को देखते हुए स्नान के पश्चात चेजिंग हेतु अस्थाई रूप से चेजिंग रूम की व्यवस्था बनाएं, उन्होने कहा कि सभी छठघाटों में पेयजल की भी पर्याप्त व्यवस्था हो व पूरे छठपर्व के दौरान छठघाटों की बेहतर साफ-सफाई सुनिश्चित करें एवं इस हेतु आवश्यक संसाधन व कर्मचारियों की तैनाती छठघाटों में करें। दीपावली व छठपर्व पर पार्किंग की समुचित व्यवस्था हो - इस मौके पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत एवं आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने अधिकारियों से कहा कि दीपावली त्यौहार के दौरान बाजारों में ज्यादा भीड़-भाड़ रहती है, अतः विभिन्न बाजारों के समीप वाहन पार्किंग हेतु स्थल चिन्हांकन करते हुए वहॉं आवश्यक व्यवस्थाएं बनाएं ताकि सड़कों पर आवागमन सुचारू रूप से हो सके, इसी प्रकार निगम क्षेत्र में स्थित बड़े छठघाटों में भी पार्किंग की व्यवस्था हों, इस दिशा में भी कार्यवाही करें। निर्धारित स्थलों पर ही लगाई जाएं त्यौहारी दुकानें - महापौर श्रीमती राजपूत व आयुक्त श्री पाण्डेय ने जोन कमिश्नरों व उप जोन प्रभारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि दीपावली पर्व के दौरान फल, फूल, केले के पत्ते, सजावटी सामग्री तथा इनसे जुड़ी अन्य विविध सामग्रियों की चैक-चैराहों पर अनियंत्रित रूप से लगने वाली दुकानों को व्यवस्थित कराएं, इस हेतु स्थलों का चिन्हाकंन करें तथा इन चिन्हाकित स्थलों पर ही दुकानें लगाई जाए, यह सुनिश्चित कराएं ताकि सड़कों का आवागमन बाधित न हों तथा आमनागरिकों को किसी भी प्रकार की अनावश्यक असुविधा का सामना न करना पड़े।

नोनदरहा में दंतैल हाथी ने मवेशी पर किया हमला, मौत

कोरबा, । कटघोरा के बाद अब कोरबा वनमंडल में हाथियों का आतंक बढ़ता जा रहा है। यहां कोरबा व करतला रेंज में दो अलग-अलग समूहों में हाथी गेरांव तथा घोटमार जंगल में विचरण कर रहे हैं। हाथियों के के दोनों दल ने यहां उत्पात मचाते हुए बड़ी मात्रा में धान की फसल को चैपट कर दिया। वहीं रायगढ़ जिले के छाल रेंज से एक दंतैल हाथी अचानक करतला रेंज के नोनदरहा गांव में धमका और यहां के निवासी निरंजन प्रसाद कंवर नामक ग्रामीण के बैल पर हमला कर दिया जिससे उसकी मौत हो गई। ग्रामीण ने अपने बैल को पुरानाडीह टिकरा नामक स्थान पर बांध रखा था जो नोनदरहा जंगल के कक्ष क्रमांक पीएफ-1154 से लगा हुआ था। एक नर हाथी रात ढाई बजे के लगभग वहां पहुंचा और बैल पर हमला करने के साथ सूंड व पैर से कुचलकर तथा घसीटकर मार डाला। बैल के मालिक को सुबह जानकारी होने पर उसने वन विभाग को सूचित किया जिस पर वन अमला आज सुबह मौके पर पहुंचकर पंचनामा की कार्यवाही की और पशु चिकित्सक को बुलाकर पोस्टमार्टम कराने के बाद मृत देह को मवेशी के मालिक को सौंप दिया। दंतैल हाथी यहां मवेशी को मौत के घाट उतारने के बाद सुबह होने से पहले वापस छाल रेंज के महराजगंज परिसर की ओर लौट गया। इस बीच कटघोरा वनमंडल के पसान रेंज के सेमरहा क्षेत्र में विचरणरत 54 हाथियों का दल बीती रात सेमरहा व गाड़ागोड़ा में 10 ग्रामीणों की फसल को रौंदने के बाद बनिया गांव के खड़ियापारा पहुंच गया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)